आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 187। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, व भोपाल, रायपुर व बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर, शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025

शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय के सर्व सुविधा युक्त भवन का लोकार्पण

सांदीपनि विद्यालय सर्वांगीण विकास के केन्द्र बन उभरे : सीएम डॉ. यादव

शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के स्कूलों को 5-5 लाख का पुरस्कार, 36 करोड़ की लागत से निर्मित भवन में प्रयोगशाला

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुणवत्तापूर्ण और रोजगार परक शिक्षा ही किसी देश की मजबूती का आधार है। बेहतर शिक्षा के बूते ही भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा गणतंत्र बनकर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी वसुधैव कुटुबंकम की भावना से ऋषि-मुनियों के काल में भारतीय ज्ञान से दुनिया के कई देश प्रकाशमान हुए थे। वर्तमान समय में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत का स्वर्णिम काल चल रहा है। मध्यप्रदेश सरकार बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उन्हें उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षा और सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए संकल्पित है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी शिक्षकों एवं छात्रों को

गुरु पूर्णिमा महोत्सव की शुभकामानाएं देते हुए कहा कि प्रदेश में 369 सांदीपनि विद्यालय संचालित हो रहे हैं। जहां शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, स्कूल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के केंद्र बनकर उभरे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम के लिए महू, देवास, नरसिंहपुर के विद्यालयों को बेहतर शैक्षणिक प्रबंधन विकास के लिए 5-5 लाख रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कुलगुरु की संज्ञा दी गई है, क्योंकि गुरु ही हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को शासकीय कमला नेहरू सांदीपनि विद्यालय में आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

प्रतीक स्वरूप 50 विद्यार्थियों को साइकिल वितरितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत स्कूली बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरण के 2 दिवसीय अभियान का शुभारंभ करते हुए 50 विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें वितरित कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने एक धुन में साइकिल की घंटी बजाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिवादन किया। अभियान के पहले दिन विभिन्न जिलों में विद्यार्थियों को 4 लाख 30 हजार साइकिलें बांटी गईं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरु पूर्णिमा के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में गुरुजनों को सम्मानित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए शिक्षक श्री मनोज सोहनी, श्री देवेंद्र बंसल, डॉ. एस.के. पाल, श्री मनोज कौशल, श्री सुरीत दास बनोथे, श्रीमती शुभांगी नामड़े, श्रीमती सारिका शर्मा, श्रीमती वंदना रामचंदानी, श्री योगेश विश्नोई और श्रीमती बख्तौर खान को अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सांदीपनि विद्यालय पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया।

उज्जैन में प्रारंभ होगा आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्कूलों के उन्नयन के साथ प्रदेश के 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेजों में भी नई शिक्षा नीति लागू की गई है, जहां विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान की जा रही है। इसी उद्देश्य से उज्जैन में आईआईटी का सेटैलाइट सेंटर प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग का विलय कर मेडिकल एजुकेशन एवं हेल्थ सेक्टर में नवाचार किया है। सरकार छोटे शहरों में मेडिकल कॉलेज खोलने पर जोर दे रही है, जिसके फलस्वरुप प्रदेश में आगामी 2 वर्ष के अंदर एमबीबीएस की सीटें 10 हजार हो जाएंगी। मध्यप्रदेश इकलौता ऐसा राज्य है, जहां नीट पास करने के बाद सरकार मेडिकल एजुकेशन के लिए विद्यार्थियों को भरपूर सहयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थी केवल नौकरी करने वाले नहीं, नौकरी देने वाले भी बनें। डॉक्टर बनकर छोटे शहरों में अस्पताल खोलें, राज्य सरकार इसके लिए भी 40 प्रतिशत अनुदान प्रदान कर रही है। सरकार युवाओं के स्वावलंबन के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में नारी को देवी के रुप में पूजा जाता है। भारतीय समाज में उनका अलग ही स्थान है। प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 1500 रुपए की राशि ट्रांसफर की जाएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 2029 तक देश की बहनों को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के कमला नेहरु सांदीपनि कन्या विद्यालय के 36 करोड़ रुपये की लागत से तैयार नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। शाला परिसर में आगमन पर विद्यार्थियों द्वारा बैंड की धुन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर तथा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्रा संतोषी साहू ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को हस्तनिर्मित पोर्ट्रेट भेंट कर उनका अभिवादन किया और कुमारी दीप्ति उईके ने गुरुवंदना की मनमोहक प्रस्तुत दी।

स्मार्ट मीटर के सबंध में महाप्रबंधक श्री सी.के.पवार ने दी अहम जानकारियां

स्मार्ट मीटर से बिजली की खपत को नियंत्रित करना आसान

संवाददाता ● भोपाल/गुना

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को नए टैरिफ आर्डर के अनुसार अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 20 प्रतिशत की छूट मिल रही है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है।

नियम

यह उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तों के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। यह बात मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के.पवार ने स्मार्ट मीटर से होने वाले लाभ तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं जैसे ग्रामीण क्षेत्र में 5 रुपये में नवीन कनेक्शन, सोलर रूफटॉप आदि को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय, गुना में आयोजित मीडिया कार्यशाला में कही। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक गुना श्री अशोक शर्मा, उपमहाप्रबंधक गुना संभाग श्री राजेन्द्र सिंह, उपमहाप्रबंधक राघौगढ़ संभाग श्री अनीस राजपूत, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री मनोज द्विवेदी एवं राज्य सरकार के जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री शुभम शर्मा सहित सैंकड़ों मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) सी.के. पवार ने कहा कि स्मार्ट मीटर सभी के लिए फायदेमंद और उपभोक्ताओं के हित में हैं, इसलिए सभी को स्मार्ट मीटर लगाने में कंपनी का सहयोग करना चाहिए। कार्यशाला के दौरान उन्होंने अधिक से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने का आव्हान किया तथा कार्यशाला में मीडिया के प्रश्नों के जबाव देते हुए मीडिया से प्राप्त फीडबैक के अनुसार कार्यवाही करते हुए उनके द्वारा दिये गये सुझावों को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाते हुए अमल में लाने का आश्वासन दिया।

परिसर में रीडिंग लेने आने की आवश्यकता नहीं

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के. पवार ने मीडिया से चर्चा करते हुये बताया कि शहर के लोगों में स्मार्ट मीटर को लेकर जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर करना जरुरी है। उन्होंने बताया कि विद्युत स्मार्ट मीटर लगने के बाद परिसर में रीडिंग लेने आने की जरुरत नहीं होती है, ऑटोमेटिक सटीक रीडिंग होती है। मानवीय हस्तक्षेप नहीं होने से गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं होती है। उपभोक्ता अपनी प्रतिदिन की विद्युत खपत स्मार्ट मीटर के माध्यम से देख सकता है। उन्होंने बताया कि दैनिक के साथ -साथ सप्ताहिक अथवा मासिक खपत आसानी से देखी जा सकती है, और बिजली की कितनी खपत हो रही है, अगले महीने उसका कितना बिल आ सकता है, उसका पूर्वानुमान भी आसानी से लगाया जा सकता है।

अब तक कहीं कोई गड़बड़ी नहीं आई

महाप्रबंधक पवार ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाते हुए लगभग 1 वर्ष पूर्ण हो गया है। अब तक पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के सोलह जिलों में 03 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। अभी तक कहीं पर भी किसी प्रकार की कोई भ्रांतिया पैदा नहीं हुई हैं। ऑटोमेटिक माध्यम से सटीक रीडिंग होने के बाद प्रतिमाह 01 तारीख के बाद मोबाइल अथवा ईमेल पर बिल जारी किया जाता है। स्मार्ट मीटर के पहले उपभोक्ताओं को पता ही नहीं चलता था कि उनकी विद्युत खपत कितनी हैं, जब स्मार्ट मीटर लगे तब उन्हें सही खपत का पता चला और उसका डेटा भी विद्युत विभाग के पास उपलब्ध हुआ है।

रियल टाइम डेटा उपलब्ध

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है। कंपनी ने बताया कि जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर बिलिंग तथा रीडिंग निर्धारित समय पर हो रही है, इससे सभी उपभोक्ता संतुष्ट हैं।

रीडिंग में कोई गड़बड़ी नहीं

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अपने कार्यक्षेत्रांतर्गत जब से स्मार्ट मीटर स्थापित करने शुरु किये हैं तभी से स्मार्ट मीटर के सकारात्मक परिणाम आने शुरु हो गए हैं। उपभोक्ताओं को वास्तविक समय में ऊर्जा खपत की सटीक तथा अद्यतन जानकारी मिल रही है, साथ ही रीडिंग में किसी तरह की कोई गड़बड़ी सामने नहीं आई है। इसके अलावा उपभोक्ताओं के परिसर में जाकर रीडिंग लेने की जरुरत भी नहीं है, क्योंकि निर्धारित तिथि पर ऑटोमेटिक रीडिंग करके उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल पर बिल जारी किया जा रहा है।

स्वयं कर रहे खपत की निगरानी

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि स्मार्ट मीटर के फायदे अनेक हैं। जहां-जहां भी स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं वहां पर निर्धारित समय पर तथा सटीक रीडिंग हो रही है। उपभोक्ता स्वयं भी ऊर्जा खपत की निगरानी कर सकते हैं, इसके लिए हर 15 मिनट में डाटा अद्यतन हो रहा है, ताकि यह समझने में आसानी रहे कि किस समय कितनी ऊर्जा की खपत हुई है। इससे बिजली खपत को नियंत्रित करने में आसानी हो रही है।

बिलों में त्रुटि की संभावना नहीं

स्मार्ट मीटरों से बिजली के बिलों में त्रुटि की संभावना बहुत कम हो गई है और बिजली की चोरी रोकने में भी स्मार्ट मीटर मददगार साबित हो रहे हैं। स्मार्ट मीटर वास्तविक समय में अपनी बिजली की खपत पर नज़र रखने में मदद करते हैं, जिससे उपभोक्ता स्वयं भी अपनी खपत को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और गैरजरुरी उपकरणों को बंद करके ऊर्जा की बचत कर सकते हैं।

शॉर्ट न्यूज

ड्यूटी जा रहे हेड कांस्टेबल का सिर फोड़ा

इंदौर। पुलिस की निष्क्रियता के चलते गुंडों के हौसले लगातार बुलंद हो रहे हैं। अब गुंडे पुलिस पर भी हमला करने से नहीं डरते। बुधवार रात द्वारकापुरी क्षेत्र में ड्यूटी पर जा रहे हेड कांस्टेबल पर गुंडों ने हमला कर दिया। जिससे उन्हें गंभीर चोट आई। इसी दौरान गुंडों ने एक हिंदूवादी नेता की कार के कांच भी फोड़ दिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना द्वारकापुरी क्षेत्र की है। हेड कांस्टेबल मुन्नालाल चौहान जो एफआरवी वैन डायल 100 पर तैनात है, को रात में सूचना मिली कि क्षेत्र में एक डीजे तेज आवाज में बज रहा है। वे चालक के साथ मौके के लिए रवाना हुए। रास्ते में कुछ युवक आपस में झगड़ रहे थे। मुन्नालाल ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन जब वह नहीं माने तो वह गाड़ी से डंडा लेकर उतरे तभी आरोपियों ने एक जुट होकर उन पर डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। उनके सिर हाथ और पैर में चोट आई है।

निवेश के नाम पर लाखों की ठगी

इंदौर। शेयर बाजार में तीन से चार गुना मुनाफे का लालच देकर युवक से लाखों रुपए की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। क्राइम ब्रांच ने अभिषेक भार्गव की शिकायत पर केस दर्ज किया है। फरियादी अभिषेक ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि अप्रैल 2024 में उसे फर्जी आनंद राठी ब्रोकर और एड्वेंट बिजनेस स्कूल नमक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ा गया था। इस ग्रुप में खुद को आनंद राठी ग्रुप का हिस्सा बातकर शेयर बाजार में निवेश करने की बात कही गई। इसके अलावा अलार्म टॉप नाम की एप्लीकेशन के माध्यम से खाता खुलवाकर शेयर खरीद प्राप्त करने के लिए निवेश करने को कहा गया। अभिषेक भार्गव के मुताबिक 21 से 30 मई के बीच अलग-अलग खातों में 8 लाख 80 हजार रुपए जमा कराए पर शेयर का प्रॉफिट नहीं दिया। क्राइम ब्रांच ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ओबीसी महासभा ने संपूर्णमध्य प्रदेश के साथ भोपाल में भी दिया ज्ञापन

भोपाल। भोपाल ओबीसी महासभा जिला कार्यकारिणी द्वारा भोपाल में 13% ओबीसी आरक्षण होल्ड हटाओ जनगणना के साथ जातिगत जनगणना और कलम लागू करें इसी को लेकर प्रदर्शन किया एवं ज्ञापन सोफा इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज यादव ने कहा कि सरकार सिर्फ ओबीसी वर्ग के लोगों को गुमराह कर रही है और वोट बैंक की राजनीति कर रही है इस अवसर पर बड़ी संख्या में कई संगठन के पदाधिकारी ने समर्थन दिया प्रदर्शन में मुख्य रूप से महेंद्र सिंह लोधी राष्ट्रीय खेल समिति सदस्य , राजकुमार यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी जन कल्याण, पुरुषोत्तम लोधी जिला अध्यक्ष, बाबूलाल पहलवान, गितेश साहू, राष्ट्रीय कार्य समितिसदस्य कमलेश सिंह,सुमित यादव,तनिस बंसल,निकेश गौर आदि बड़ी संख्या में ओबीसी संगठन के कार्यकर्ता मौजूद थे।

अश्विनी वैष्णव ने की रेलवे सेफ्टी की समीक्षा

संवाददाता ● नई दिल्ली

अपने पिता के निधन के एक दिन बाद अंतिम संस्कार की व्यस्तताओं के बीच रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने 09 जुलाई, 2025 को रेलवे की महत्वपूर्ण सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने रेलवे अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए। रेलमंत्री ने रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं अन्य आला अधिकारियों के साथ समीक्षा में 'लेवल क्रॉसिंग गेट सुरक्षा' विषय पर गहन विचार-विमर्श किया और इस संबंध में 11 महत्वपूर्ण निर्णय लिए। अश्विनी वैष्णव ने सभी लेवल क्रॉसिंग गेट (LC) गेटों पर सीसीटीवी कैमरे तथा रिकॉर्डिंग सिस्टम लगाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सौर पैनल, बैटरी बैकअप, यूपीएस आदि के माध्यम से सुनिश्चित की जाए और यह कार्य मिशन मोड में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि 'सड़क यातायात के लिए बंद' (Close to Road Traffic) गेटों को 'सड़क यातायात के लिए खुले' (Open to Road Traffic) गेटों में बदलने के लिए नीति की समीक्षा की जाएगी। लेवल क्रॉसिंग गेटों के इंटरलॉकिंग कार्यों को मिशन मोड में त्वरित गति से पूरा किया जाएगा। इसके लिए रेलवे पीएसयू को इंटरलॉकिंग कार्यों और निर्माण कार्यों में शामिल किया जाएगा। रेल मंत्री ने बताया कि टीवीयू (TVU) की सीमा घटाई गई है। अब 10,000 TVU पर ही इंटरलॉकिंग प्रारंभ की जाएगी। पहले यह सीमा 20,000 थी। 10,000 TVU से अधिक वाले सभी गेटों पर रोड ओवरब्रिज, ओर अंडरब्रिज और सीमित ऊंचाई वाला सबवे योजनाओं से भिन्न होकर भी इंटरलॉकिंग अनिवार्य होगी। इसके अलावा, गैर-इंटरलॉक गेटों पर प्रतिदिन दो यादृच्छिक आवाज रिकॉर्डिंग जांच प्रति डिवीजन की जाएगी। रेल मंत्री ने कहा कि गैर-इंटरलॉक गेटों पर वॉयस लॉगर सिस्टम की कार्यशीलता की पुष्टि सभी डीआरएम द्वारा की जाएगी।

नई दिशा की ओर कदम

फंड्सइंडिया ने अक्षय सप्रू को ग्रुप सीईओ नियुक्त किया

संवाददाता ● बेंगलुरु

फंड्सइंडिया, भारत के अग्रणी डिजिटल निवेश प्लेटफार्म में से एक, ने अक्षय सप्रू को अपने समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करने की घोषणा की है। नेतृत्व में यह परिवर्तन फंड्सइंडिया के लिए एक नए दौर की शुरुआत का प्रतीक है, क्योंकि कंपनी अब एक हर पहलू को कवर करने वाली वेल्थ मैनेजमेंट फर्म (फुल-स्पेक्ट्रम वेल्थ मैनेजमेंट फर्म) के रूप में विकसित हो रही है। बेंगलुरु मुख्यालय से कार्यभार संभालते हुए, अक्षय अब बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को रिपोर्ट करेंगे और कंपनी की रणनीतिक दिशा और सभी कारोबारी क्षेत्रों में विकास का नेतृत्व करेंगे। एक समय पर केवल डिजिटल निवेश मंच के रूप में शुरू हुई फंड्सइंडिया अब भारत के प्रमुख महानगरों में व्यापक रूप से सक्रिय है, और B2C (सीधे ग्राहकों से), B2B (व्यवसाय से व्यवसाय) तथा निजी संपत्ति प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है।

शुरुआत

फंड्सइंडिया को उसके प्रमुख निवेशक, वेस्टब्रिज कैपिटल का समर्थन प्राप्त है और इस नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए, संदीप सिंगल, मैनेजिंग पार्टनर, वेस्टब्रिज कैपिटल ने कहाः 'हमे फंड्सइंडिया के नए ग्रुप सीईओ के रूप में अक्षय का स्वागत करके बहुत ख़ुशी हो रही हैं। उनका समृद्ध अनुभव और रणनीतिक सोच फंड्सइंडिया की विकास यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और पूरे भारत में ग्राहकों को बेहतर वैल्यू प्रदान करने में मदद करेगी। हमें विश्वास है कि अक्षय के नेतृत्व में कंपनी एक डिजिटल-आधारित, पूर्ण सेवा प्रदान करने वाली वेल्थ मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्रोवाइडर के रूप में सफलतापूर्वक आगे बढ़ेगी।'

नई भूमिका को लेकर अक्षय सप्रू ने कहाः 'फंड्सइंडिया की इस महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी यात्रा में नेतृत्व करने की जिम्मेदारी मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं बोर्ड द्वारा मुझ पर जताए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं एक उत्साही एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीम के साथ कार्य करने के लिए तत्पर हूं, और हमारी मजबूत नींव पर आगे निर्माण करते हुए फंड्सइंडिया को डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट क्षेत्र में सर्वाधिक मूल्यवान और प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य रखता हूं। बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (BFSI) क्षेत्र में 27 वर्षों से अधिक के मजबूत करियर के साथ, अक्षय सप्रू फंड्सइंडिया में विशेष क्षेत्रीय ज्ञान और बहुआयामी नेतृत्व क्षमताएं लेकर आए हैं। उनकी विशेषज्ञता में रिटेल बैंकिंग, अफ्लुएंट बैंकिंग, प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट, रणनीति निर्माण, बिक्री, ग्राहक सहभागिता और डिजिटल नवाचार जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं । फंड्सइंडिया से जुड़ने से पहले, अक्षय यस बैंक लिमिटेड में प्राइवेट बैंकिंग, स्पेक्ट्रम बैंकिंग और देयता उत्पादों के कंट्री हेड के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ICICI बैंक से की थी और उसके बाद ABN AMRO/RBS तथा इंडसइंड बैंक जैसी अग्रणी संस्थाओं में अनेक महत्वपूर्ण नेतृत्व भूमिकाएं निभाईं।

स्क्रीन अकैडमी का शुभारंभ

भारतीय सिनेमा के उभरते सितारों को तराशने का शानदार मंच

संवाददाता ● मुंबई

इंडियन एक्सप्रेस समूह और स्क्रीन ने बुधवार को एक अग्रणी गैर-लाभकारी पहल, स्क्रीन अकैडमी जो भारतीय सिनेमा के उभरती प्रतिभाओं की मदद करेगी और उन्हें अपनी कृतियों का प्रदर्शन करने का मौका देगी। कान और ऑस्कर विजेता, गुनीत मोंगा, पायल कपाड़िया और रेसुल पूकुट्टी, और अनुभवी पटकथा लेखक, अंजुम राजाबली सहित विभिन्न किस्म के सदस्यों की रोमांचक और तेजी से बढ़ती सूची के साथ, यह अकैडमी भारत के शीर्ष फिल्म संस्थानों के साथ मिलकर, शिक्षा, प्रतिनिधित्व और मान्यता के ज़रिये फिल्म निर्माताओं की अगली पीढ़ी की पहचान करेगी और उन्हें मदद करेगी।

शुभारंभ

लोढ़ा फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक, अभिषेक लोढ़ा के उदार सहयोग से स्थापित, स्क्रीन अकैडमी अपने फिल्म संस्थानों द्वारा नामांकित उन छात्रों को सालाना स्नातकोत्तर फेलोशिप प्रदान करेगी, जिनमें असाधारण कहानी कहने की क्षमता है, लेकिन औपचारिक फिल्म शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी है। (आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी के लिए www.screenacademy.org पर लॉग इन करें)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि समय और स्थान इससे अधिक प्रासंगिक नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'फिल्म उद्योग का मुंबई से अभिन्न रिश्ता है।

मुझे इंडियन एक्सप्रेस समूह की ओर से गैर-लाभकारी स्क्रीन अकैडमी की स्थापना के बारे में जानकर बहुत खुशी हो रही है... मुझे विश्वास है कि भारतीय फिल्म उद्योग को उन नई फिल्म निर्माण प्रतिभाओं से बहुत लाभ होगा जिन्हें यह अकैडमी मदद करना चाहती है।' इंडियन एक्सप्रेस समूह के कार्यकारी निदेशक, अनंत गोयनका की अकैडमी के विचार को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहाः 'स्क्रीन अकैडमी मनोरंजन और संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्टता को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक साहसिक कदम है। हम एक ऐसा परितंत्र तैयार करेंगे जो न केवल उत्कृष्टता का पोषण करे, बल्कि वित्तीय सहायता और पहुंच दोनों के साथ विविध और होनहार प्रतिभाओं को सक्रिय रूप से मदद करे।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और उद्योग एकीकरण

स्क्रीन अकैडमी फेलोशिप 2025 प्रमुख संस्थानों, भारतीय फिल्म एवं टेलीविज़न संस्थान (पुणे), सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविज़न संस्थान (कोलकाता), और व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल (मुंबई) में स्नातकोत्तर अध्ययन के लिए पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। अकैडमी के देश भर में अपने विस्तार करने के साथ आगे चलकर और अधिक फ़िल्म स्कूलों को जोड़ने की योजना है। स्क्रीन अकैडमी के फेलो को वित्त पोषण के अलावा उद्योग के दिग्गजों की ओर से अभूतपूर्व मेंटरशिप कार्यक्रम का भी लाभ मिलेगा, जिसमें भारत के शीर्ष स्टूडियो और सबसे सम्मानित फिल्म पेशेवर अकैडमी के सदस्य होंगे। ये उद्योग के अग्रणी मास्टरक्लास, इंटर्नशिप और निरंतर व्यावसायिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान के निदेशक, धीरज सिंह ने कहा: "फिल्म पत्रकारिता में स्क्रीन बेहद सम्मानित नाम है। एफटीआईआई को इस बात की बहुत खुशी है कि एक सार्थक सहयोग का मंच तैयार हो रहा है। मुझे यकीन है कि इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम से छात्रों और उद्योग को बहुत लाभ होगा। सत्यजीत रे संस्थान के प्रभारी निदेशक समीरन दत्ता ने कहा कि ये फेलोशिप उद्योग में मौजूद एक बड़ी कमी को पूरा करेंगी। "हमारे देश में प्रतिभाशाली लोग केवल महानगरों और शहरी इलाकों में ही नहीं, बल्कि भारत के विविध और दूर-दराज़ इलाकों में भी मौजूद हैं, जो बेहतरीन विचार और शानदार कहानियां गढ़ रहे हैं। हमारे कुछ छात्रों को फिल्म शिक्षा के खर्च पर बातचीत करने में कठिनाई होती है। स्क्रीन अकैडमी फेलोशिप बेहतरीन सिनेमा बनाने की उनकी चाहत में मददगार साबित होगी। व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की अध्यक्ष, मेघना घई पुरी ने कहा, "व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल में, हमारा मानना है कि अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा जीवन में आमूल बदलाव ला सकती है। आईई स्क्रीन फाउंडेशन के साथ गठजोड़ में यह छात्रवृत्ति सुनिश्चित करती है कि वित्तीय बाधाएं रचनात्मकता और महत्वाकांक्षा के आड़े न आएं। यह साझेदारी साझा मूल्यों - उत्कृष्टता, समावेशिता और भविष्य की फिल्म प्रतिभाओं को पोषित करने के प्रति गहरी प्रतिबद्धता - पर आधारित है।

गुनीत मोंगा : ऑस्कर विजेता निर्माता
पायल कपाड़िया : कान ग्रां प्री विजेता और गोल्डन ग्लोब के लिए नामांकित
रेसुल पुकुट्टी : ऑस्कर विजेता साउंड डिज़ाइनर
रॉनी स्क्रूवाला : आरएसवीपी फिल्म्स और अपग्रेड के संस्थापक
सुभाष घई : निर्माता/ निर्देशक और व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल के संस्थापक

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पारंपरिक विधि विधान के साथ

लगभग 51 बटुक ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया

संवाददाता ● भोपाल

भोपाल के राजवेद कॉलोनी कोलार क्षेत्र में आचार्य पाणिग्राही चतुर्वेदी संस्कृत वेद पाठशाला में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर पारंपरिक विधि विधान के साथ लगभग 51 बटुक ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संस्कार कराया गया यह जानकारी गुरुकुल के आचार्य दिनेश पाणिग्राही एवं आचार्य अवनीश त्रिवेदी आचार्य श्रीकांत ठाकुर ने मीडिया को दी एवं सभी बटुक ब्राह्मणों को गुरु दीक्षा दी गई ! आचार्य जी ने बताया कि गुरुकुल की मान्यता महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड उज्जैन मध्य प्रदेश से है वही आचार्य जी ने आगे बताया कि गुरुकुल में देश भर के 12 प्रदेशों से बिहार ,झारखंड ,उत्तर प्रदेश ,राजस्थान, महाराष्ट्र, आदि जगहों से 70 छात्र आवासीय रूप से रहकर अध्ययन कर रहे हैं जिनकी शिक्षा ,आवास, एवं भोजन व्यवस्था संस्था द्वारा निःशुल्क दी जाती है कार्यक्रम में मध्य प्रदेश शासन के परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पंडित विष्णु राजोरिया एवं पंडित अभिषेक दुबे राहुल त्रिवेदी ,पूजा त्रिवेदी, पंडित सत्यनारायण पाठक, पंडित ज्ञानेंद्र जोशी सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मौसम पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में अपने नवीनतम नवाचारों को भारत में प्रस्तुत कर रहा

स्वच्छ ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने भारत आए ऑस्ट्रेलियाई मंडल

संवाददाता ● भोपाल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देने के उद्देश्य से ऑस्ट्रेलिया का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 7 से 11 जुलाई 2025 तक भारत दौरे पर है। यह प्रतिनिधिमंडल ऑस्ट्रेलिया की 22 अग्रणी कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और ऊर्जा भंडारण तकनीक, ऊर्जा प्रबंधन के लिए एआई समाधान, सौर ऊर्जा तकनीक, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा मॉडलिंग और मौसम पूर्वानुमान जैसे क्षेत्रों में अपने नवीनतम नवाचारों को भारत में प्रस्तुत कर रहा है। इसके साथ ही शिक्षा, क्षमता निर्माण और परामर्श सेवाओं के क्षेत्रों में भी द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।

निर्माण

इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमीशन (ऑस्ट्रेड) कर रहा है, जिसे न्यू साउथ वेल्स और विक्टोरिया राज्य सरकारों का सहयोग प्राप्त है। साथ ही, क्वींसलैंड, साउथ ऑस्ट्रेलिया और वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की राज्य सरकारें भी इस पहल में सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं।

यह प्रतिनिधिमंडल 8 से 10 जुलाई 2025 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक के 11वें संस्करण में भाग ले रहा है, जहां ऑस्ट्रेलिया 'कंट्री पार्टनर' के रूप में शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल बेंगलुरु भी जाएगा, जहां वह प्रमुख स्वच्छ ऊर्जा संगठनों के साथ साइट विज़िट करेगा और साझेदारी के नए अवसरों की तलाश करेगा। ऑस्ट्रेलिया के पास भरपूर और उच्च गुणवत्ता वाली नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता है। यहां कुशल कार्यबल, नवाचारी अनुसंधान एवं विकास, मज़बूत कारोबारी संबंध, स्थिर निवेश माहौल और खनिज संसाधनों का बड़ा भंडार मौजूद है।

दुनिया भर में ऑस्ट्रेलिया को एक भरोसेमंद और विश्वसनीय ऊर्जा साझेदार के रूप में देखा जाता है। 'फ्यूचर मेड इन ऑस्ट्रेलिया' पहल के तहत, ऑस्ट्रेलियाई सरकार देश को रिन्यूएबल एनर्जी सुपरपावर बनाने की दिशा में लगातार निवेश कर रही है। साथ ही, भारत-ऑस्ट्रेलिया के नए आर्थिक रोडमैप में स्वच्छ ऊर्जा को दोनों देशों के बीच विकास का सुपरहाईवे बताया गया है।

आईईएसडब्ल्यू (IESW) 2025 में ऑस्ट्रेलिया की भागीदारी को लेकर ऑस्ट्रेलियन ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमिशन के ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट कमिश्नर नाथन डेविस ने कहा, "आईईएसडब्ल्यू (IESW) में दोबारा शामिल होकर हमें खुशी हो रही है। यह हमारे लिए एक शानदार अवसर है जहां हम ऑस्ट्रेलिया की अग्रणी क्लीन एनर्जी क्षमताएं प्रस्तुत कर सकते हैं और भारत के नेट ज़ीरो लक्ष्यों की दिशा में भारतीय कारोबारों को ठोस समाधान दे सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया–भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता और आर्थिक भागीदारी का नया रोडमैप, ऑस्ट्रेलियाई कंपनियों के लिए नए अवसर खोल रहा है। भारत में ऑस्ट्रेड की टीम इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाने के लिए दोनों देशों के बीच क्लीन एनर्जी सेक्टर में कारोबारी संबंधों को मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।"

गुरु पूर्णिमा : बजरंगबली को छप्पन भोग...

गुरू पूर्णिमा पर आज विजय नगर सरकार बाबा बजरंगबली को छप्पन भोग लगाया गया। भजन गायकों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन की एडमिशन प्रक्रिया जल्द

छात्र डीएवीवी की वेबसाइट से कर सकेंगे रजिस्ट्रेशन

संवाददाता ● इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में स्नातक कोर्स में एडमिशन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने वाली है। बताया जा रहा है कि डीएवीवी अगले सप्ताह से सीयूईटी-यूजी स्कोर के आधार पर अपने स्नातक कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने के लिए तैयार है। यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से उम्मीदवारों का डेटा प्राप्त हुआ और उसने मेरिट सूची तैयार करने की तैयारी शुरू कर दी।

जानकारी अनुसार डीएवीवी में सीयूईटी प्रवेश के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि हम जल्द ही सीयूईटी-यूजी के माध्यम से स्नातक काउंसलिंग के लिए पंजीकरण शुरू करेंगे। छात्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। हालांकि काउंसलिंग का तरीका अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन ऑनलाइन काउंसलिंग वर्तमान में सबसे संभावित प्रारूप है। ऑफलाइन काउंसलिंग पर विचार किया जा रहा था, लेकिन इसके ऑनलाइन आयोजित होने की अधिक संभावना है।काउंसलिंग प्रक्रिया जुलाई के अंत तक शुरू होने की संभावना है। सीयूईटी पीजी की परीक्षाएं 13 मई से 5 जून तक इंदौर सहित देशभर के कई कम्प्यूटर आधारित परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की गईं। एनटीए ने 4 जुलाई को परिणाम घोषित किए। एनटीए द्वारा उपलब्ध कराए गए छात्र डेटा के आधार पर यूनिवर्सिटी अपनी मेरिट सूची तैयार करेगा और काउंसलिंग कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए बैठकें आयोजित करेगा।आईआईपीएस, आईएमएस, स्कूल ऑफ लॉ, स्कूल ऑफ कॉमर्स, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साइंस, आईईटी, स्कूल ऑफ डेटा स्कूल ऑफ साइंस और इकोनॉमिक्स सहित 15 से अधिक विभागों में 25 से अधिक यूजी और एकीकृत कार्यक्रमों में प्रवेश दिए जाएंगे।

समय सीमा का रखेंगे विशेष ध्यान

यूनिवर्सिटी प्रवेश समिति के अनुसार, छात्रों की सुविधा और नए शैक्षणिक सत्र की समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम की योजना बनाई जाएगी। बीए,एलएलबी और एमबीए-एमएस जैसे कार्यक्रम पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक मांग वाले कोर्स में से रहे हैं, साथ ही बीकॉम (ऑनर्स), अर्थशास्त्र में बीए (ऑनर्स), बीबीए एविएशन, बीसीए और कई पांच वर्षीय एकीकृत एमबीए और एमसीए कार्यक्रम जैसे उच्च मांग वाले कोर्स भी शामिल हैं। डीएवीवी का लक्ष्य सीयूईटी में परिवर्तन के कारण उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना और समय पर प्रवेश सुनिश्चित करना है।

शॉट न्यूज

सड़क हादसे में युवक की मौत

इंदौर। एरोड्रम इलाके में तेज रफ्तार वाहन चालक ने युवक को टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौत हो गई। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक घटना सुपर कारीडोर पर टी.सी. एस.कंपनी के सामने की हैं। मृतक का नाम शैलेन्द्र (40) है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक हादसे के बाद फरार चालक की तलाश में सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। उधर, थाना क्षिप्रा पुलिस ने बताया कि ग्राम पीर कराड़िया में 21 जून को बाइक की टक्कर से घायल महिला की मौत हो गई। मृतका का नाम संगीता बाई पति शिवनारायण पटेल (58) निवासी डकाच्या है। पुलिस ने बताया कि बाइक नंबर एमपी 09 क्यूटी 5044 के चालक सचिन पटेल निवासी ग्राम डकाच्या के खिलाफ केस दर्ज किया गया। घटना दिनांक को आरोपी बाइक चालक ने अपनी मोटर सायकल का अजानक ब्रेक लगा दिया था ।

थाने पहुंचीं लड़कियों ने किया हंगामा

इंदौर। सयोगितागंज इलाके में देर रात शराब के नशे में दो युवक-युवतियों से मिलने पहुंचे। मोहल्ले वालों ने विरोध किया तो युवकों ने हंगामा किया। पुलिस दोनों को थाने लाई, जहां युवतियां भी पहुंचीं और पुलिस से बहस करने लगीं। हंगामे के बाद युवकों पर केस दर्ज किया गया है। संयोगितागंज थाना क्षेत्र के पारसी मोहल्ले में बुधवार देर रात दो युवक नशे की हालत में युवतियों से मिलने पहुंचे। मोहल्ले में तेज आवाज और शोरशराबे से नाराज रहवासियों ने इसका विरोध किया तो युवकों ने बहस शुरू कर दी और अपशब्द कहे। पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची और दोनों युवकों को थाने ले आई। पुलिस के अनुसार, कृष्णा (निवासी छिंदवाड़ा) और कुलदीप (निवासी राजगढ़) दोनों छात्र हैं और हीरानगर में रहते हैं। ये रात 11 बजे पारसी मोहल्ले में युवतियों से मिलने पहुंचे थे।

लोक निर्माण से लोक कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए काम कर रहा विभाग

सड़कों की बेहतर क्वॉलिटी बनाए रखने के लिए कर रहे ठोस प्रयास : मंत्री सिंह

संवाददाता ● इंदौर

बयान

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे प्रभावी कदमों की जानकारी देते हुए कहा कि "लोक निर्माण से लोक कल्याण" की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए विभाग तकनीकी नवाचार, पारदर्शी निरीक्षण प्रणाली और सख्त गुणवत्ता मानकों को अपनाते हुए कार्य कर रहा है।

मंत्री सिंह ने कहा कि इंदौर के पोलोग्राउंड क्षेत्र में निर्माणाधीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) का कार्य पूर्णतः स्वीकृत तकनीकी डिज़ाइन और मानकों के अनुरूप प्रगति पर है। यह ओवरब्रिज रेलवे और लोक निर्माण विभाग द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण और डिजाइन प्रक्रिया के माध्यम से तैयार किया गया है। वर्तमान में निर्माणाधीन इस आरओबी की लंबाई 1027.60 मीटर और चौड़ाई 12 मीटर निर्धारित की गई है। इसका डिज़ाइन तीन दिशाओं में यातायात सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। पोलोग्राउंड, लक्ष्मीबाई स्टेशन और भागीरथपुरा की ओर जाने वाली तीन भुजाएँ इसमें सम्मिलित हैं।

मंत्री सिंह ने बताया कि ओवरब्रिज में कुल पांच टर्न (वक्र) हैं, जिनका निर्माण भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है। आईआरसी मानकों के अनुसार कर्व का न्यूनतम रेडियस 15 मीटर होता है, जबकि इस आरओबी के सभी टर्न का रेडियस लगभग 20 मीटर है, जिससे यह डिज़ाइन और संरचनात्मक दृष्टि से पूरी तरह संतुलित और सुरक्षित है। निर्माण कार्य के सभी आयाम जैसे कि रेडियस ऑफ कर्वेचर, डिज़ाइन स्पीड और सुपर एलीवेशन को मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया गया है। यह आरओबी इंदौर शहर के तीन प्रमुख क्षेत्रों को यातायात की निर्बाधता और सुविधा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निर्माण स्थल की स्थिति और डिज़ाइन ड्रॉइंग का तुलनात्मक अवलोकन इस बात की पुष्टि करता है कि कार्य स्वीकृत तकनीकी योजनाओं के अनुसार ही किया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्यों को पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूरा कर रहा है।

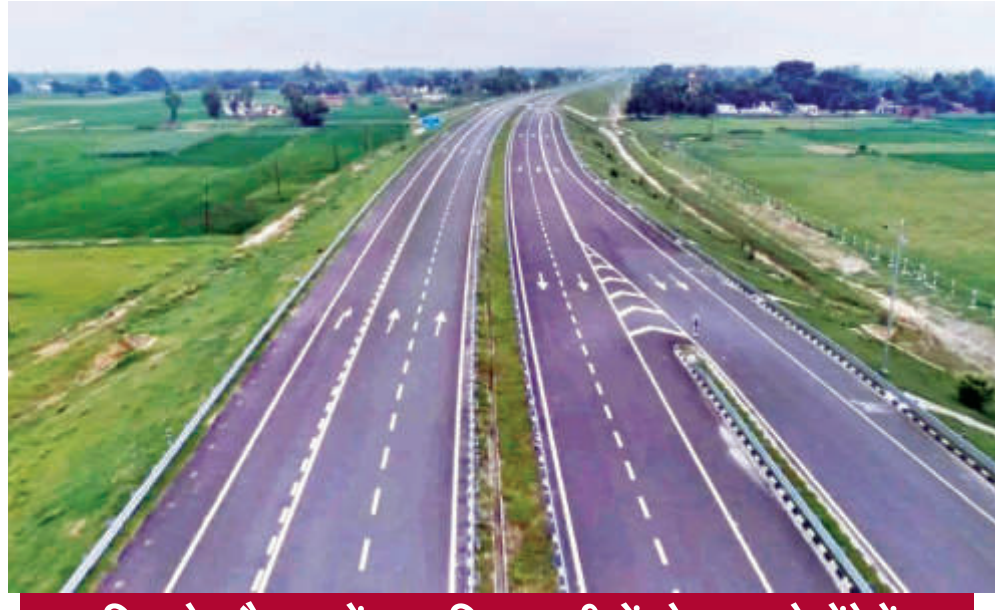

बारिश के मौसम में आधुनिक मशीनों से कर रहे मेंटेनेंस

मंत्री सिंह ने कहा कि गड्ढे रहित सड़कें संधारण विभाग की प्राथमिकता हैं, परंतु अत्यधिक वर्षा और ट्रैफिक लोड के कारण कभी-कभी सड़कों की क्षति होती है। इनके सुधार कार्य के लिए विभाग तकनीकी प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार कर रहा है, जिससे अभियंता नवाचारों और आधुनिक तकनीकों से अपडेट रह सकें। लोकपथ मोबाईल ऐप पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के निराकरण के लिए 7 दिवस की समय-सीमा को कम करने पर भी विचार किया जा रहा है। मानसून के दौरान सड़कों की मरम्मत के लिए आधुनिक मशीनों से पेच रिपेयर की व्यवस्था। प्रारंभ की गई है। उन्होंने बताया कि अभी हाल ही मे 8 से 10 जून के बीच विभाग के 1500 से अधिक इंजीनियरों को एक अभियान के रुप में सड़कों के निरीक्षण के लिए भेजा गया था और 20 जून तक सभी मरम्मइत कार्य पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया था। मंत्री सिंह ने यह कहा कि सड़कों की एक उम्र होती है, यदि इससे पहले सड़क खराब होती है तो यह जांच का विषय है और दोषियों पर कार्रवाई होगी। कई मामलों में सडकों पर यातायात दवाब और वाहनों के बोझ पर भी क्षति का होना निर्भर करता है। मंत्री सिंह ने बताया कि प्रदेश की सभी 13 मण्डल स्तरीय प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित कर दिया गया है, जिससे निर्माण सामग्री की जांच अब और अधिक सटीक और प्रभावी हो सकेगी। प्रत्येक जिले में मोबाइल प्रयोगशालाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रथम चरण में 13 मण्डलों के लिए निविदा जारी कर दी गई है।

42 कर्मचारियों को रेल सेवा पुरस्कार-2024 से किया सम्मानित

सम्मान में प्रशस्ति पत्र, मेमेंटो के साथ दिया आम का पौधा

संवाददाता ● इंदौर

रतलाम मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत रेल कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देते हुए, दिनांक 09 जुलाई को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, रतलाम के एनेक्सी हॉल में 'रेल सेवा पुरस्कार-2024' कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार और अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके उपरांत मंडल के कलाकारों द्वारा एक संक्षिप्त सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। अपने संबोधन में मंडल रेल प्रबंधक कुमार ने कहा कि रतलाम मंडल के जिन 42 रेलकर्मियों को आज सम्मानित किया जा रहा है, उन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

किसी ने संरक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया है, तो किसी ने परिचालन में दक्षता लाई है। कुछ कर्मचारियों ने यात्री सुविधाओं में सुधार किया, वहीं अन्य ने राजस्व वृद्धि में विशेष योगदान दिया। यह पुरस्कार केवल

एक व्यक्ति का नहीं बल्कि उस टीम का भी है, जिसके साथ मिलकर उन्होंने यह कार्य किया है। इसलिए मैं आज समस्त टीम को भी इस सम्मान का भागीदार मानता हूं। इस अवसर पर इंजीनियरिंग, परिचालन, वाणिज्य, यांत्रिक (डीजल सहित), रेलवे सुरक्षा बल, सिग्नल एवं दूरसंचार, कार्मिक, चिकित्सा, स्टोर, विद्युत, सामान्य प्रशासन तथा मंडल रेल प्रबंधक एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक सचिवालय से जुड़े कुल 42 कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं मेमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम में एक विशेष नवाचार करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए प्रत्येक पुरस्कार प्राप्तकर्ता को आम का एक पौधा भी भेंट स्वरूप दिया गया।

सैनिकों का मासिक सम्मेलन सम्पन्न

इंदौर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी इंदौर में जिले के सैनिकों, वीरनारियों, सैनिक विधवाओं एवं आश्रितों हेतु मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के दौरान जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (सेवानिवृत) ने पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को संबोधित किया। उनकी समस्याओं का निराकरण किया। साथ ही साथ शासन की विभिन्न कल्याण योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी। सम्मेलन के दौरान पूर्व सैनिकों ने भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना में होने वाली परेशानी एवं इंदौर तथा आस पास के जिलों में अनुबंधित अस्पतालों की संख्याओं की कमी का जिक्र किया एवं इसका हल निकालने की गुजारिश की। इसके अलावा स्पर्श पेंशन वेबसाइट तथा रिकार्डस ऑफिस में पेंशन से संबंधित वाली समस्याओं के बारे में चर्चा की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मालवीय (सेवानिवृत) ने संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से मिलकर समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया।

परिवार अमरनाथ गया, चोर ले गए लाखों के जेवरात

इंदौर। प्रेमनगर में रहने वाले एक परिवार को अमरनाथ यात्रा पर जाना महंगा पड़ा। कर उनके घर से सोने चांदी के जेवर और नगदी चुरा कर ले गए। प्रेम नगर निवासी फरियादी शिव सहाय पिता अनुराग पांडे के यहां चोरी की घटना हुई। चोरों ने उनके घर का ताला तोड़ा और अलमारी में रखें सोने चांदी के जेवर नगदी और भगवान की चांदी की मूर्तियां चुरा कर ले गए। जूनी इंदौर पुलिस ने बताया कि फरियादी शिव सहाय पांडे परिवार के साथ अमरनाथ गए थे लौटे तो चोरी का पता चला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया। फरियादी अनुराग पिता बंसीलाल पुरोहित निवासी एरोड्रम के यहां चोरी की घटना हुई। घर लौटे तो चोरी का पता चला।

एमपी बोर्ड ने की तैयारी पूरी, 20 तक पूरी होगी चेकिंग

10 वीं-12 वीं के दूसरे चरण का रिजल्ट इस महीने के आखिरी में

संवाददाता ● इंदौर

एमपी बोर्ड द्वारा दूसरे चरण में ली गई 10वीं 12वीं की परीक्षाओं के रिजल्ट इस महीने के आखिरी सप्ताह है या अगले महीने की शुरुआत में जारी हो सकते हैं। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा जुलाई के अंत तक कक्षा 10वीं-12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के दूसरे प्रयास के परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है। इस वर्ष मप्र के 3.3 लाख से अधिक छात्र पूरक परीक्षाओं में शामिल हुए थे। यह परीक्षा 17 जून से 5 जुलाई तक आयोजित की गई । जानकारी अनुसार इन प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन वर्तमान में दो अलग-अलग चरणों में चल रहा है। पहला चरण जो इस महीने की शुरुआत में शुरू हुआ था, 11 जुलाई को समाप्त होगा।दूसरा चरण 12 से 20 जुलाई तक निर्धारित है। लगभग 10 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है, जो उन छात्रों द्वारा जमा की गई थीं जो मार्च में आयोजित मुख्य बोर्ड परीक्षाओं में एक या एक से अधिक विषयों में अच्छे अंक प्राप्त नहीं कर पाए थे। एमपीबीएसई अधिकारियों के अनुसार, मूल्यांकन समाप्त होने के तुरंत बाद परिणाम घोषित होने की संभावना है। एमपीबीएसई के मुख्य सिस्टम अधिकारी भूपेश गुप्ता ने बताया कि मूल्यांकन कार्य 20 जुलाई तक समाप्त होने की उम्मीद है। परिणाम महीने के अंत तक जारी होंगे | घोषणा में देरी ने कक्षा 12 के कई छात्रों को दुविधा में डाल दिया है, क्योंकि राज्य में चल रही कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया पहले ही अपने तीसरे दौर में है। कॉलेज स्तर की काउंसलिंग अभी चल रही है और परिणामों को लेकर अनिश्चितता के कारण कई छात्रों के लिए प्रवेश पाना मुश्किल हो गया है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में इंदौर का एक और ऐतिहासिक कदम

सीएम आज करेंगे 51 हजार से अधिक पौधों का रोपण

संवाददाता ● इंदौर

कदम

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में एक और पर्यावरणीय उपलब्धि जोड़ते हुए 11 जुलाई को केसरबाग रोड स्थित 5 एकड़ क्षेत्र में 'सिटी फॉरेस्ट' के रूप में 51 हजार से अधिक पौधों के वृहद पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और जलवायु संतुलन जैसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, हरित और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

इस पौधारोपण कार्यक्रम की सफल एवं व्यवस्थित रूप से तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा केसरबाग रोड स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए और समस्त व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्थल निरीक्षण के दौरान विधायक धु वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, राजेंद्र राठौर (जनकार्य प्रभारी), पार्षद योगेश गेंदर, भारत पारख सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे।

संपादकीय

दलाई लामा के साथ भारत

उत्तराधिकार के मसले पर भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी। 14वें दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी Gaden Phodrang Trust को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन का कहना है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। तिब्बत के लिए दलाई लामा केवल धार्मिक गुरु नहीं हैं - वह उसकी सांस्कृतिक पहचान, उसके वजूद और उसके ताकत के केंद्र हैं। 1959 में जब उन्हें कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं - चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर जियो-पॉलिटिक्स का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग तनाव का एक कारण यह भी है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है - अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

राजनाथ सिंहः रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है।

– ललित गर्ग

लेखक राजनीतिक विषयों पर लिखते हैं।

भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्टे सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। 'मेक इन इंडिया' दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है। राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को 'निषिद्ध सूची' में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। 'मेक इन इंडिया' अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है। पाकिस्तान के संदर्भ में उनका रुख अत्यंत स्पष्ट रहा है-"बातचीत तब ही संभव है जब आतंकवाद बंद हो और पाकिस्तान अपने गुनाह स्वीकार करे।" उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान से कोई संवाद होगा, तो वह केवल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगा। यह उनके नेतृत्व की स्पष्टता, साहसिकता और रणनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने भारत की सामरिक नीतियों को केवल आक्रामकता ही नहीं दी, बल्कि संतुलन भी प्रदान किया है। उनका कहना है, "हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन यदि कोई हमें ललकारेगा, तो हम उसे जवाब देना जानते हैं।" यह भावना ही आज के भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रप्रेम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया है। राजनाथ सिंह का व्यक्तित्व विनम्रता, नीतिपरक दृढ़ता और संतुलित संवाद का उदाहरण है। वे विरोधी विचारों का सम्मान करते हैं लेकिन राष्ट्रहित से समझौता नहीं करते। इसी विचारधारा को उन्होंने रक्षा मंत्री बनने के बाद अपनी कार्यशैली में उतारा। बीते वर्षों में भारत जिन आतंकी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसमें राजनाथ सिंह का रुख न केवल स्पष्ट रहा है बल्कि निर्णायक भी। कोई आंख तरेर कर तो देखें! पर ललकार की मुद्रा में वे कठोर जबाव देते हैं। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तत्परता और आक्रामकता से 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया, वह भारत की बदली हुई सैन्य सोच का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने चीन एवं पाक के दोगलेपन पर यह स्पष्ट किया कि "शांति केवल एक भ्रम है, हमें हर पल युद्ध जैसी तैयारी में रहना होगा।" इस अभियान में भारतीय वायुसेना और नौसेना की संयुक्त कार्रवाई ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, प्रति-प्रहार की नीति पर चलेगा। उन्होंने यह भी उजागर किया कि इस बार की कार्रवाई में स्वदेशी हथियारों और ड्रोनों की प्रमुख भूमिका रही, जो उनकी 'आत्मनिर्भर भारत' रक्षा नीति की बड़ी सफलता है। जो नवनिर्माण की रफ्तार एवं नई कड़ी है। रक्षा मंत्री ने गर्व से बताया कि भारतीय सेना अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि स्वदेशी तकनीक से आतंकवाद को जवाब दे रही है। उनका मानना है कि सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के आत्मबल और तकनीकी सामर्थ्य को विकसित करना भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। भारत ने इन नवाचारों को अपनाते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य का निर्माण किया है। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव कर रहे हैं एवं रक्षा में करिश्मा दिखा रहे हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। भारत के पास विकास और सुरक्षा को लेकर एक विशिष्ट दृष्टिकोण है, जिसने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया है।

विचार

कोई भी जहर नकारात्मक विचारक को नहीं मार सकता, कोई भी दवा नकारात्मक विचारक को नहीं बचा सकती

● महात्मा गांधी

चाणक्य

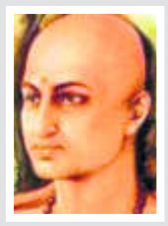

एक बिगड़ैल गाय सौ कुत्तों से ज्यादा श्रेष्ठ है। अर्थात एक विपरीत स्वाभाव का परम हितैषी व्यक्ति, उन सौ लोगों से श्रेष्ठ है जो आपकी चापलूसी करते है।

आग सिर में स्थापित करने पर भी जलाती है। अर्थात दुष्ट व्यक्ति का कितना भी सम्मान कर लें, वह सदा दुःख ही देता है।

सोने के साथ मिलकर चांदी भी सोने जैसी दिखाई पड़ती है अर्थात सत्संग का प्रभाव मनुष्य पर अवश्य पड़ता है।

● आचार्य चाणक्य

सुकरात

"जिसने खुद को जीता, उसने दुनिया को जीत लिया"

अर्थः आत्मसंयम और आत्म-नियंत्रण से बड़ा कोई विजय नहीं है.

● सुकरात के अनुसार

Business News

बुलियन मार्केट

सोने में 500 सुधरे, चांदी में ठहराव

इंदौर। स्थानीय सराफा बाजार में सोना एवं चांदी की कीमतों में घटबढ़ बनी होने से सोने की कीमतों में 500 रुपए प्रति 10 ग्राम की तेजी देखी गई वहीं चांदी की कीमत में स्थिरता बना रही। बाजारों में फिलहाल सुस्ती बनी हुई है। बाजार जानकारों के मुताबिक रक्षाबंधन त्योहार के आसपास ग्राहकी चलने की उम्मीद है। गुरुवार को सोने का 97300 रुपए का भाव रहा वही चांदी 106800 का भाव रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत 3326 ऊपर में 3330 नीचे में 3311 चांदी 3677 सेण्ट ऊपर में 3681 नीचे में 3618 नकद में केडबरी 97300 एक दिन पूर्व 96800 आरटीजीएस 99300 सोना 22 कैरेट 91000 जीएसटी सहित चांदी नगद 106800 एक दिन पूर्व 106800 आरटीजीएस में 109000 चांदी टंच 107200 रु. सिक्का 1190 भारतीय रुपया 85.67 के भाव रहे।

इंदौर सराफा- सोना केडबरी रवा नकद 97300, आरटीजीएस 99300 रुपए, सोना 22 कैरेट (जीएसटी सहित) 91000 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी नकद 106800, आरटीजीएस 109000 और टंच 107200 रुपए प्रति किलो रही। चांदी का सिक्का 1190 रुपए प्रति नग।

उज्जैन सराफा- सोना केडबरी 97400 और रवा 97300 रुपए प्रति दस ग्राम। चांदी पाट 107000, टंच 106900 रुपए प्रति किलो। सिक्का 1200 रुपए प्रति नग बिका।

गेहूं की कीमतों में थोड़ी मजबूती के आसार

इंदौर। गेहूं की आपूर्ति अब घटने लगी है बरसात का मौसम होने से जो किसानों के पास स्टॉक है, उसको सुरक्षित रख चुके हैं। सरकारी खरीद बंद हो चुकी है, इन सब के बावजूद भी वर्तमान भाव के गेहूं में थोड़ी मजबूती आ सकती है। अब ज्यादा तेजी मंदी सरकार की बिक्री नीति पर निर्भर करेगी। अगले महीने से सरकार खुले बाजार में गेहूं बचेगी या नहीं तथा किस हिसाब से बचेगी, उसे पर सारी अटकलें लगाई जाएगी। फिलहाल इन भाव में 20-30 रुपए बाजार बढ़ सकते हैं।

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2875-2900, लोकवन 2550-2575, (147) 2900-3000, एवरेज 2600-2700, मालवराज 2350-2575, पूर्णा 2700-2900, चन्द्रोसी 3200-3300, ज्वार देशी 2500-2650, मक्का पीली 2775-2300 रुपए क्विंटल।

घटी कीमत पर भी पिस्ते में स्टॉकिस्टों की बिकवाली बढ़ने से भाव में सुधार

इंदौर। स्थानीय सियागंज किराना बाजार में कामकाज सामान्य बना हुआ है। बारिश के मौसम के चलते ग्राहकी कमजोर बनी होने से गुड़-शकर में कारोबार सामान्य रहा। उठाव न होने से मिल डिलीवरी शकर के भाव 10-20 रुपए नीचे आ गई है। मिलों की बिकवाली का असर हाजर भाव पर भी देखा जा सकता है। उठाव न होने से गुड़ में भी कारोबार सुस्त है। सौंठ की बिक्री कमजोर होने से भाव पूर्वबंद स्तर पर ही है। घटी कीमत पर भी पिस्ते में स्टॉकिस्टों की बिकवाली बढ़ गई। भाव 100- 200 रुपए बोले जा रहे हैं। हाल ही में इसमें 50 रुपए की मंदी आई थी। ईरान में फिलहाल सीजफायर चालू होने तथा कीमत सामान्य से ऊंची होने के कारण बाजार की धारणा प्रभावित हो रही है। आगामी एक-दो दिनों में हाजिर में पिस्ते में तेजी की संभावना नहीं है। हरी इलायची में तेजी वाले भाव पर स्टॉकिस्टों की हल्की-फुल्की लेवाली निकलने से भाव मजबूती पर टिके हुए है, क्योंकि नई फसल में देरी अभी देरी है, पर तेजी की संभावना नहीं है।

शकर- 4110-4120 बेस्ट क्वालिटी 4130-4140, गुड़ कटोरा 4600-4700, लड्डू 5200, गिलास 5000-5200 रुपए क्विंटल।

नारियल- 120 भरती 2900-2950, 160 भरती 3300-3400, 200 भरती 3650-3700, 250 भरती 3800-3900 रुपए प्रति बोरी।

खोपरा गोला बाक्स- 275-300 कट्टे में 260 रुपए प्रति किलो। खोपरा बूरा 4100-6150 रुपए प्रति (15 किलो)।

सौंठ की बिक्री कमजोर होने से भाव में स्थिरता

काजू डब्ल्यू 240 नंबर 950-960, डब्ल्यू 320 830-860, डब्ल्यू 300 नंबर 800 से 815, जेएच 840850, टुकड़ी 780-830, बादाम इंडिपेंडेट 730 से 760, अमेरिकन 770-790, मोटादाना 880 से 900 टांच 760 से 780, खसखस चालू 950 से 1200, बेस्ट 1300 से 1500, तरबूज मगज 665 से 690, खारक 85 से 95, मीडियम 115 से 145, बेस्ट 165 से 275, किशमिश कंधारी बेस्ट 550 से 650, इंडियन 465-485 बेस्ट 510-525 रुपए के भाव रहे।

पूजन सामग्री- देशी कपूर 700 से 710, पूजा बादाम 115 से 125, बेस्ट 220 से 230, पूजा सुपारी 425 से 450, अरीठा 180 सिंदूर (25 किलो) 7450 रुपये। केसर 165 से 175 बेस्ट 190 से 193 रुपए प्रति ग्राम।

फलाहारी- साबूदाना सच्चामोती एगमार्क (500) 5350, सच्चासाबु एगमार्क (500 ग्राम) 5500 साबूदाना चक्र एगमार्क 5420, गोपाल लूज (25 किलो) 4790, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम)- 9400 रुपए।

मसाले- कालीमिर्च 711 से 715, मिनिमटर 770 से 775, मटरदाना 830 से 835 हल्दी निजामाबाद 170 से 210, हल्दी सांगली 260 से 265 जीरा 255 से 275, मीडियम 265 से 275 बेस्ट 285 से 315, सौंफ मोटी 130 से 145, बेस्ट 185 से 285, एक्सट्रा बेस्ट 340 से 450, बारीक 280 से 350, लौंग चालू 760 से 800, बेस्ट 815 से 820 रुपए के भाव रहे।

50 फीसदी आयात शुल्क का नहीं पड़ेगा भारतीय कंपनियों पर असर

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कॉपर (तांबा) पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की घोषणा से भारतीय कंपनियों पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि भारत एक कॉपर-घाटे वाला देश है। यह जानकारी इंडस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी और सरकार के मंत्री ने साझा की।

इंटरनेशनल कॉपर एसोसिएशन इंडिया के प्रबंध निदेशक मयूर कर्मारकर ने बताया, "भारत एक कॉपर-डिफिशिएंट देश है और इसका निर्यात बहुत सीमित है। अमेरिका को होने वाला कुल निर्यात लगभग 10,000 टन है, जो कि बहुत कम है।" उन्होंने कहा कि भारत में घरेलू मांग काफी तेज़ी से बढ़ रही है, खासकर नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs), और अन्य कॉपर-इंटेंसिव क्षेत्रों में सरकार के जोर के चलते। भारत पूरे कॉपर वैल्यू चेन में नेट इंपोर्टर (शुद्ध आयातक) बना हुआ है। 2023 में भारत ने करीब 10 लाख टन कॉपर कंसंट्रेट आयात किया। इनमें से 75 प्रतिशत आयात चार प्रमुख देशों से हुआ। कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि भारत अमेरिका के इस निर्णय के प्रभावों को लेकर गंभीरता से चर्चा करेगा। उन्होंने शुक्रवार को एक विजन डॉक्यूमेंट भी जारी किया है जिसमें 2047 तक कॉपर की मांग में छह गुना वृद्धि का अनुमान जताया गया है। इसके तहत सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन प्रतिवर्ष की स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग क्षमता जोड़ने की योजना बनाई है।

विजन डॉक्यूमेंट में यह भी कहा गया है कि भारत को कॉपर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरे वैल्यू चेन में रणनीतिक पहलों को अपनाना होगा, जिसमें खनन से लेकर रिफाइनिंग और रिसाइकलिंग तक की प्रक्रिया शामिल है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि जहां अमेरिका के इस टैरिफ निर्णय से चीन और अन्य बड़े निर्यातकों को नुकसान हो सकता है, वहीं भारत को इससे तात्कालिक तौर पर राहत है।

कॉर्पोरेट समाचार

मोबाइल प्लान होंगे महंगे, मीडियम और प्रीमियम यूजर्स होंगे प्रभावित

नई दिल्ली। मोबाइल यूजर्स के लिए साल के अंत तक टैरिफ का झटका आ सकता है। टेलीकॉम कंपनियां कॉल और डेटा प्लान में 10–12 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी में हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि मुख्य रूप से मीडियम और हाई-वैल्यू ग्राहकों पर केंद्रित होगी, जबकि लो-वैल्यू यूजर्स पहले ही कीमतों की मार झेल चुके हैं। मई 2025 में देश में 74 लाख नए एक्टिव यूजर्स जुड़े, जो पिछले 29 महीनों में सबसे बड़ी मासिक वृद्धि है। यह लगातार पांचवां महीना है जब यूजर बेस में इज़ाफा हुआ है। इससे कंपनियों को टैरिफ बढ़ाने का आत्मविश्वास मिला है। जुलाई 2024 में कंपनियों ने बेस प्लान में 11 से 23 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी, जिसके चलते 2.1 करोड़ यूजर्स ने सेवाएं छोड़ दी थीं। हालांकि, अब एक बार फिर यूजर ग्रोथ तेज हो गई है, जिससे कंपनियां दोबारा कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रही हैं। रिलायंस जियो ने मई में सबसे ज्यादा 55 लाख नए एक्टिव यूजर्स जोड़े और उसका बाजार शेयर 53 फीसदी तक पहुंच गया। वहीं एयरटेल ने 13 लाख नए यूजर्स जोड़कर 36 फीसदी हिस्सा हासिल किया।

वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब जीता

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 में मारुति सुजुकी की वैगनआर ने सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी हैचबैक का खिताब हासिल किया है। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में कंपनी ने वैगनआर सीएनजी की कुल 1,02,128 यूनिट्स की बिक्री की है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि ईंधन की बढ़ती कीमतों और बेहतर माइलेज की चाहत के चलते ग्राहक पारंपरिक पेट्रोल-डीजल के विकल्प के रूप में सीएनजी वाहनों को तेजी से अपना रहे हैं। मारुति की ही इर्टिगा सीएनजी इस दौरान सबसे ज्यादा बिकने वाली सीएनजी कार रही, लेकिन वैगनआर ने हैचबैक सेगमेंट में सबसे अधिक ग्राहक बटोरे। वैगनआर को इसकी किफायती कीमत, शानदार माइलेज और बेहतर फीचर्स के लिए जाना जाता है। इसमें 1.0 लीटर और 1.2 लीटर पेट्रोल इंजन विकल्प मिलते हैं, जिसमें सीएनजी वेरिएंट भी उपलब्ध है। कार का दावा है कि सीएनजी पर यह 34 किमी प्रति किलोग्राम तक का माइलेज दे सकती है।

टाटा संस की टाटा केपिटल में हिस्सेदारी 93 फीसदी, वैल्यू 98,178 करोड़ हुई

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की टाटा संस के पास अपनी फाइनेंशियल सर्विस कंपनी टाटा केपिटल में 93 फीसदी हिस्सेदारी है। इस हिस्सेदारी की वैल्यू करीब 98,178 करोड़ रुपए यानी करीब 11.4 अरब डॉलर है। टाटा केपिटल की यह वैल्यू मार्च में हुए राइट्स इश्यू के आधार पर निकाली गई है, जिसमें प्रति शेयर की कीमत 281 रुपए रखी गई थी। टाटा केपिटल के 2025 की सालाना रिपोर्ट में इसकी कुल इक्विटी वैल्यू 1.05 लाख करोड़ रुपए बताई गई है, जिसके आधार पर यह भारत की टॉप 10 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में आठवें स्थान पर है। टाटा संस अब टाटा केपिटल में अपनी 18 फीसदी तक हिस्सेदारी को आईपीओ के जरिए बेचने की तैयारी में कर रहा है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि इस आईपीओ से टाटा संस को 17,672 करोड़ रुपए हासिल हो सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए सेबी के पास गोपनीय तरीके से आईपीओ का आवेदन दिया था, जिसे मंजूरी कर लिया गया है। टाटा

600 साल पहले क्षतिग्रस्त हुआ बटेश्वर का

सबसे ऊंचा महाविष्णु मंदिर वापस अपने रूप में लौटा

संवाददाता ● भोपाल

समय के साथ करीब छह सौ साल पहले पत्थरों का ढेर बन गया मुरैना जिले में बटेश्वर स्थित सबसे ऊंचा महाविष्णु मंदिर फिर अपने मूल स्वरूप में लौट आया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने यहां बिखरे पत्थरों से ही मंदिर का निर्माण कराया है। यहां एक प्राचीन मठ समेत पांच मंदिरों का जीर्णोद्धार पूर्ण कर लिया गया है। इनके पुनर्निर्माण की परियोजना चार साल से चल रही थी। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के नेशनल कल्चर फंड (एनसीएफ) के माध्यम से इनका जीर्णोद्धार कराया गया है। इसके लिए तीन करोड़ 80 लाख रुपये इंफोसिस फाउंडेशन ने भी दिए हैं।

निर्माण

फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति की मध्य प्रदेश के पर्यटन और पुरातात्विक स्थलों में गहरी रुचि है। बटेश्वर में आठवीं-10वीं शताब्दी के बीच बने 200 मंदिर क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़े हुए थे। इनके जीर्णोद्धार परियोजना पर 2005 से काम शुरू हुआ था। अब तक 85 मंदिरों को फिर से खड़ा किया जा चुका है।

2022 में काम शुरू करवाया था – एएसआइ के भोपाल वृत्त ने महाविष्णु मंदिर के जीर्णोद्धार परियोजना पर 2022 में काम शुरू कराया था। पुराविदों ने सबसे पहले पत्थरों को हटाकर मंदिर की नींव से उसके मूल डिजाइन का खाका बनाया। उसके बाद मूल मंदिर के हिस्सों की तलाश शुरू हुई। 140 मंदिरों के टूटे हुए हिस्सों के ढेर में से महाविष्णु मंदिर का टुकड़ा ढूंढना सबसे बड़ी चुनौती थी। एएसआई की टीम ने तकनीकी विशेषज्ञता के बल पर 90 प्रतिशत पत्थर खोज निकाले। डिजाइन के मुताबिक कौन पत्थर कहां और किसके बाद लगेगा उसको चिह्नित कर नंबर दिए गए।

एक खंडित प्रतिमा भी मिली

जिस हिस्से के टुकड़े नहीं मिल पाए, उसके लिए बलुआ पत्थरों से उसी जैसा दूसरा टुकड़ा तैयार किया गया। उसके बाद शुरु हुआ मंदिर को आकार देने का काम। नींव से लेकर शिखर तक 13 स्तरों में इन पत्थरों को उसी प्राचीन शैली में लगाकर मंदिर को स्वरुप दे दिया गया। अब साढ़े तीन फीट ऊंचे चबूतरे पर 13 मीटर ऊंचा यह मंदिर गुर्जर-प्रतिहार शैली की स्थापत्य कला का नमूना बनकर फिर शान से खड़ा है। मंदिर से थोड़ी दूर पर भगवान विष्णु की एक खंडित प्रतिमा भी मिली है। संभावना जताई जा रही है कि यह प्रतिमा महाविष्णु मंदिर के गर्भगृह में पूजित रही होगी। इसे मंदिर में स्थापित करना है या संग्रहालय में प्रदर्शित किया जाएगा, इसका फैसला नहीं हो पाया है। एएसआई के अधिकारी बताते हैं कि महाविष्णु मंदिर और मठ के हिस्सों की तलाश में जब मलबा हटाया जा रहा था तो वहां पांच और मंदिरों का पता चला। उनको भी उनके पुराने स्वरुप में स्थापित कर दिया गया है।

ऐसा है विष्णु का मंदिर

विष्णु मंदिर के चौखट पर गंगा-यमुना का चित्रण है। वहीं ऊपर गरुण की आकृति उकेरी गई है। मंदिर की जगती के बांए भाग में कृष्ण लीला और महाभारत के कथानक उकेरे गए हैं। दीवार में रेवती और बलराम का अंकन किया गया है। बेलबूटों और मिथुन की नक्काशी है। एएसआई भोपाल मंडल के अधीक्षण डॉ. मनोज कुर्मी ने बताया कि बटेश्वर में आठवीं से दसवीं शताब्दी के बीच गुर्जर-प्रतिहार राजवंश ने बलुआ पत्थरों से 200 से अधिक मंदिर बनवाए थे। यह उत्तर भारतीय मंदिर वास्तुकला की गुर्जर-प्रतिहार शैली के शुरुआती नमूने हैं। ये मंदिर भगवान शिव, विष्णु और शक्ति को समर्पित हैं, जो सनातन धर्म की तीन प्रमुख परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। सभी मंदिर कलात्मक हैं, जिसमें नवग्रह और दिग्पाल को उकेरा गया है। अभी तक की खोज से पता चलता है कि वहां कोई आबादी नहीं थी। सिर्फ मंदिर और बावड़ियां बनी थीं। माना जाता है कि 13वीं-14वीं शताब्दी में आए शक्तिशाली भूकंप की वजह मंदिर बिखर गए।

शॉट न्यूज

12 वर्ष की कांवड़िया, सुकुमर ने शुरू की 400 किमी लंबी यात्रा

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की कोलारस कस्बे की रहने वाली दो सगी बहनों ने गंगाजल कांवड़ लाने का फैसला लिया है। बड़ी बहन पहले भी कांवड़ ला चुकी है। ऐसे में अब 12 साल की छोटी बहन ने भी अपनी बड़ी बहन को कावड़ गंगाजल लेने के लिए सोरोंजी गंगा घाट जाते देखा तो उसने भी यह निर्णय लिया कि मैं भी अपनी बड़ी बहन और जीजीजी के साथ गंगाजल लेने जाऊंगी। वह अपनी बड़ी बहन के साथ कावड़ में गंगाजल लेने घर से निकली है और उसके मुंह पर बम-बम भोले के जयकारे हैं। कोलारस कस्बे की रहने वाली 12 साल की सुकुमर अपनी बहन और जीजा के साथ कांवड़ के लिए निकाली है। जब उससे कांवड़ लाने के पीछे की वजह पूछी तो उनसे बताया कि कांवड़ लाने की कोई खास वजह नहीं है।

लेडी कांस्टेबल पर टूट पड़ी सास और बहू

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई है जब अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला कर दिया। इस हमले में एक महिला आरक्षक और एक महिला सुरक्षा गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गईं हैं। घटना दोपहर की बताई जा रही है। सतना जिले के बदेरा थाना क्षेत्र के ग्राम सरेड़ा में पूरा मामला हुआ। दरअसल, आरसीसीपीएल सीमेंट कंपनी की खदान की जमीन को खाली कराने प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक लखन पटेल नाम का व्यक्ति कंपनी द्वारा मुआवजा दिए जाने के बावजूद वह जमीन खाली करने को तैयार नहीं था। इस पर सिविल न्यायालय ने बेदखल करने के आदेश सुनाए। इसके बाद पुलिस, राजस्व विभाग और सुरक्षा बल के साथ टीम मौके पर पहुंची और अतिक्रमण गिराने के लिए जेसीबी से कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने नहीं लिखी रिपोर्ट, पीड़ित ने उतार दिए कपड़े, सड़क पर लेटा

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने पूरे शहर में सनसनी मचा दी है। इस वीडियो में एक व्यक्ति सड़क के बीचो-बीच लेटा हुआ दिखाई दे रहा है। उसके आसपास से गुजर रहे वाहन हॉर्न बजा रहे, हैं लेकिन वह सड़क से हटने की बजाय कभी ट्रक तो कभी स्कूल बस के सामने लेटकर प्रदर्शन कर रहा है। वायरल वीडियो में दिख रहे व्यक्ति का नाम विजय सिंह सोलंकी है। विजय सिंह सोलंकी इंदौर का रहने वाला है। विजय का उज्जैन में ससुराल है। 2009 में उसकी बेटी का जन्म चरक अस्पताल में हुआ था। बेटी का जन्म प्रमाण पत्र तो है, लेकिन इस प्रमाण पत्र पर उसका नाम नहीं होने के कारण स्कूल में काफी परेशानी आ रही है। जन्म प्रमाण पत्र में बेटी का नाम दर्ज हो जाए इसीलिए विजय सिंह पिछले काफी दिनों से उज्जैन नगर निगम और चरक अस्पताल के चक्कर लगा रहा था।

मध्य प्रदेश विधानसभा में मानसून सत्र में ई-विधान नहीं होगा लागू

अब अगले सत्र तक टला

संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में ई-विधान प्रणाली लागू नहीं हो पाएगी। विधानसभा सचिवालय ने इस सत्र में कार्यवाही को पेपरलेस करने के लिए ई-विधान योजना को लागू करने की तैयारी की थी, लेकिन एनआईसी (NIC) द्वारा टैबलेट की खरीद न हो पाने के कारण इसे शीतकालीन सत्र के लिए टाल दिया गया है। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह ने बताया कि मानसून सत्र में विधायकों को ऑनलाइन कार्य प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले सत्र से नई प्रणाली लागू हो जाएगी, इसलिए विधायकों को इसके उपयोग की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञों की सहायता ली जाएगी ताकि विधायकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

प्रशिक्षण

स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों के सामने रहेंगे टैबलेट – ई-विधान लागू होने के बाद विधानसभा में स्पीकर, मुख्यमंत्री और विधायकों की सीटों के सामने टैबलेट लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से वे सदन से संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे। केंद्रीय सरकार की इस योजना को लागू करने के लिए विधानसभा ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं, लेकिन अभी तक नेशनल इंफॉर्मेटिक्स सेंटर (NIC) द्वारा टैबलेट की खरीद नहीं हो सकी है।

250 टैबलेट खरीदने थे एनआईसी को

एनआईसी को विधानसभा के लिए 250 टैबलेट खरीदने थे, लेकिन टैबलेट की तकनीकी विशिष्टताओं और अन्य प्रक्रियाओं में देरी होने के कारण यह संभव नहीं हो पाया है। ई-विधान लागू होने के बाद सदन की प्रश्नोत्तर प्रक्रिया, दस्तावेज और अन्य विधायी सामग्री टैबलेट पर उपलब्ध होगी। विधायकों को इन्हीं टैबलेट के माध्यम से कार्य करना होगा।

भोपाल नगर निगम में तबादला आदेशों की अनदेख

अपर आयुक्त और सहायक आयुक्त नई पोस्टिंग पर नहीं पहुंचे

भोपाल। भोपाल नगर निगम के दो वरिष्ठ अधिकारी ट्रांसफर आदेश के बावजूद अब तक नई पोस्टिंग पर नहीं पहुंचे हैं । अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान का तबादला 17 जून को जबलपुर नगर निगम में और सहायक आयुक्त एकता अग्रवाल का देवास नगर निगम में हुआ था, लेकिन 23 दिन बीतने के बावजूद दोनों अधिकारियों ने कार्यभार ग्रहण नहीं किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों अधिकारी न केवल निगम मुख्यालय में लगातार उपस्थित हैं, बल्कि पहले से अधिक समय तक दफ्तर में बैठकर फाइलें निपटा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो सहायक आयुक्त एकता अग्रवाल कुछ फाइलें अपने सरकारी आवास तक ले जाकर निस्तारित कर रहे हैं, जिससे लंबित प्रकरणों पर कार्य होता रहे। इधर निगम के कर्मचारी संगठनों ने इस लापरवाही पर कई बार शासन से लिखित शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जबकि पुलिस और लोक निर्माण विभाग में ऐसे मामलों में तत्काल निलंबन की कार्रवाई हो चुकी है। शासन की चुप्पी पर अब निगम कर्मियों में असंतोष है।

आरटीओ और प्रशासन बेखबर

राजधानी में बिना अनुमति चल रहा कार रेंटल का अवैध धंधा

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल में बिना परिवहन विभाग की अनुमति के कारों को ड्राइवर के बिना किराए पर देने का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस मनमानी की भनक न तो क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (RTO) को है और न ही जिला प्रशासन को। मंगलवार रात एक नाबालिग ने एक निजी एजेंसी से किराए पर कार लेकर मेहता मार्केट के सामने तीन वाहनों को टक्कर मार दी थी, जिसमें एक ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। पड़ताल में सामने आया कि भोपाल में आइएसबीटी, नादरा, हलालपुर बस स्टैंड, एमपी नगर और जहांगीराबाद जैसे क्षेत्रों में कई कार रेंटल एजेंसियां सक्रिय हैं। ये एजेंसियां बिना ड्राइवर के हैचबैक, सेडान और एसयूवी सहित लग्जरी कारें प्रति घंटे के हिसाब से किराए पर देती हैं।

जब इस अवैध कारोबार को लेकर आरटीओ से बात की गई तो अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि "रेंट ए कैब" योजना के तहत लाइसेंस जरूरी है। आरटीओ ने बताया कि भोपाल में इस तरह की कोई भी एजेंसी अधिकृत नहीं है। बीते छह महीनों में दो एजेंसियों ने आवेदन जरूर दिया है, लेकिन वो अभी प्रक्रिया में हैं। वर्तमान में केवल उन्हीं ट्रेवल एजेंसियों को लाइसेंस जारी किए गए हैं, जो ड्राइवर के साथ कार उपलब्ध कराती हैं। खास बात यह है कि यह धंधा अब गोवा जैसे पर्यटन स्थलों की तर्ज पर भोपाल में पांव पसार रहा है, जहां टूरिस्ट्स को कारें सीधे उपलब्ध कराई जाती हैं।

भोपाल के आरटीओ जितेंद्र शर्मा ने कहा कि "कार रेंटल सर्विस एजेंसियों की पड़ताल शुरू कर दी गई है। जिनके पास लाइसेंस नहीं है, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बिना लाइसेंस के कोई भी एजेंसी वाहन किराए पर नहीं दे सकती।

सीएम का जोधपुर में उद्यमियों से संवाद, निवेश के लिए मप्र आने का दिया न्यौता

संवाददाता ● भोपाल

राजस्थान के जोधपुर प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फर्नीचर, टिंबर और होटल व्यवसाय से जुड़े उद्यमियों से मुलाकात कर उन्हें मध्यप्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश की असीम संभावनाएं हैं और यहां की समृद्ध वन संपदा, विशेष रूप से सागौन के जंगल, फर्नीचर उद्योग को नई ऊंचाई दे सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण और संसाधनों की भरमार है। हम चाहते हैं कि राजस्थान और मध्यप्रदेश मिलकर इस क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करें। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के दौरान 18 नवीन औद्योगिक नीतियों की घोषणा की गई है। इन नीतियों में निवेशकों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन, रियायती भूमि आवंटन, टैक्स में छूट और तेजी से अनुमोदन की प्रक्रिया शामिल है। उन्होंने कहा कि देशभर के उद्यमी इन योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। डॉ. यादव ने यह भी बताया कि मध्यप्रदेश में निजी क्षेत्र को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पहले जहां राज्य में मात्र 5 मेडिकल कॉलेज थे, अब इनकी संख्या बढ़कर 36 हो गई है और अगले दो वर्षों में यह संख्या 50 पार करने की ओर है।

आमंत्रण

"मध्यप्रदेश आएं, उद्योग लगाएं, प्रगति पाएं"

मुख्यमंत्री ने उपस्थित उद्योगपतियों से आह्वान किया कि वे मध्यप्रदेश में अपने उद्योग स्थापित करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार हर स्तर पर उनका सहयोग करेगी। उन्होंने "उद्योग और रोजगार वर्ष 2025" के अंतर्गत अब तक आयोजित विभिन्न कॉन्क्लेव, रोड शो और निवेशकों के साथ हुई चर्चाओं की जानकारी भी साझा की। इस मौके पर राजस्थान के कई उद्यमियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष सुझाव भी रखे और मध्यप्रदेश में संभावित निवेश पर रुचि व्यक्त की।

शादी के बाद दहेज में 25 लाख की मांग, सॉफ्टवेयर इंजीनियर पर केस दर्ज

भोपाल। गुजरात के गांधीनगर निवासी एक साफ्टवेयर इंजीनियर के विरूद्ध भोपाल के महिला थाने में दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज किया गया है। इंजीनियर दो साल से दहेज में 25 लाख रुपये की मांग कर पत्नी को प्रताड़ित कर रहा था, जिसके बाद तंग आकर पत्नी अपने मायके आ गई और पति के लगातार परेशान करने पर महिला थाने में शिकायत दर्ज करवाई। एसआई मोनिका सिंह कुशवाहा ने बताया कि 30 वर्षीय पीड़िता भोपाल की रहने वाली है। वर्ष 2023 में उसकी शादी गुजरात के गांधीनगर निवासी जयेश धराड़े से हुई थी। जयेश पेशे से साफ्टवेयर इंजीनियर है, जबकि पीड़िता गृहणी है। शादी के दौरान पीड़िता के परिवार ने सोना चांदी और जरूरत का सामान दहेज में दिया था, लेकिन शादी के एक महीने बाद जयेश और उसका परिवार दहेज में 25 लाख रुपये की मांग करने लगा। न देने पर ससुराल पक्ष के लोग उसे परेशान करते थे, जिससे तंग आकर वह अपने मायके लौट आई और महिला थाने में शिकायत की।

भोपाल-सीकर मानव तस्करी गैंग का भंडाफोड़

संवाददाता ● भोपाल

हबीबगंज क्षेत्र में पांच महीने से लापता एक नाबालिग बालिका की तलाश में जुटी हबीबगंज थाना पुलिस ने बालिका तस्करी के एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में नाबालिग बच्ची को पकड़ स्वजनों को सौंप दिया है और उसे बेचने व खरीदने वाले दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के चार से अधिक सदस्य अभी फरार हैं। गिरोह भोपाल और सीकर (राजस्थान) के तस्करों की मिलीभगत से संचालित हो रहा था, जो बालिकाओं को बहला-फुसलाकर उड़ीसा और राजस्थान में बेचता था। एसआइ अखिलेश त्रिपाठी ने बताया कि हबीबगंज निवासी 17 वर्षीय बालिका 11वीं कक्षा की छात्रा थी। कोचिंग न जाने को लेकर उसके बड़े भाई के डांटने पर छात्रा छह फरवरी को घर से भाग गई थी। वह हबीबगंज क्षेत्र की रहने वाली बचपन की सहेली के झालावाड़ स्थित ससुराल पहुंच गई। छात्रा वहां 17 अप्रैल तक रही, इसके बाद जब उसकी सहेली को पता चला कि हबीबगंज क्षेत्र में छात्रा की तलाश की जा रही है तो उसने अपनी ननद दुर्गा को छात्रा को भोपाल छोड़ने के लिए बोला। दुर्गा ने उसे घर छोड़ने की बजाए छोला क्षेत्र स्थित द्वारिका नगर निवासी 4 वर्षीय कुसुम विश्वकर्मा के घर छोड़ दिया। कुसुम ने करीब दो महीने तक उसे अपने घर रखा और जैसे ही वह बालिग हुई तो अपने साथी रोशनी, प्रदीप जैन और सुनील के जरिए नाबालिग को सीकर निवासी 25 वर्षीय नरेंद्र कुमार डारा को 2.75 लाख रुपये में बेच दिया। नरेंद्र ने 29 जून को उससे शादी कर ली थी।

भोपाल,सीहोर, शाजापुर के यात्रियों को फायदा

सावन माह में भोपाल से उज्जैन के लिए स्पेशल ट्रेन चालू

संवाददाता ● भोपाल

सावन माह में भोपाल से उज्जैन महाकाल जाने वाले यात्रियों को लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसकी शुरूआत 10 जुलाई आज से हो रही है। भोपाल से रोज रात 2.15 बजे ट्रेन रवाना होगी, जो अगले दिन सुबह 7.20 बजे उज्जैन पहुंचेगी। वहीं, उज्जैन से रात 9 बजे रवाना होकर 1.05 बजे भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचेंगी। यह ट्रेन संत हिरदाराम नगर, सीहोर, कालापीपल, शुजालपुर, अकोदिया, कालीसिंध, बेरछा, मक्सी और तराना स्टेशनों पर भी रुकेंगी। इससे भोपाल, सीहोर, शाजापुर और उज्जैन के यात्रियों को फायदा मिलेगा। सावन के चलते लाखों श्रद्धालुओं को ट्रेन का फायदा मिलेगा।

सुविधा

11 जुलाई से 1 सितंबर तक संचालन

इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्या 09314 भोपाल-उज्जैन पैसेंजर 11 जुलाई से 1 सितंबर तक भोपाल से प्रतिदिन रात 2.15 बजे चलेगी। इसके बाद यह संत हिरदाराम नगर पर रात 2.38 बजे, सीहोर में रात 3.10 बजे, कालापीपल में रात 3.40 बजे, शुजालपुर में सुबह 4.20 बजे, अकोदिया में सुबह 5.40 बजे, कालीसिंध में सुबह 5.10 बजे, बेरछा में सुबह 5.25 बजे, मक्सी में सुबह 5.55 बजे, तराना रोड पर सुबह 6.20 बजे और उज्जैन में सुबह 7.20 बजे तक पहुंचेंगी। प्रत्येक स्टेशन पर ट्रेन 2-2 मिनट के लिए रुकेंगी।

ट्रेन का यह शेड्यूल - गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-भोपाल स्पेशल 10 जुलाई से 31 अगस्त तक उज्जैन से प्रतिदिन रात 9 बजे चलेगी, जो तराना रोड पर रात 9.30 बजे पहुंचेंगी। इस तरह मक्सी में रात 9.45 बजे, बेरछा में रात 10.02 बजे, कालीसिंध में रात 10.15 बजे, अकोदिया में रात 10.35 बजे, शुजालपुर में रात 10.48 बजे, कालापीपल में रात 11.05 बजे, सीहोर में रात 11.36 बजे, संत हिरदाराम नगर में रात 12.40 बजे और भोपाल रेलवे स्टेशन पर रात 1.05 बजे पहुंचेंगी।

अनारक्षित है ट्रेन – रेलवे के अनुसार, यह ट्रेन पूरी तरह अनारक्षित है और मेल/एक्सप्रेस ट्रेन के अनुसार सामान्य श्रेणी का किराया लगेगा। कोच कंपोजीशन के अनुसार, गाड़ी में 7 सामान्य श्रेणी, 2 एसएलआरडी सहित 09 कोच रहेंगे।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

वेश्यावृति के दलदल में फंस गई थीं अर्चिता फुकान

बोलीं- '25 लाख में मिली आजादी'

आज के समय में सोशल मीडिया ने कई लोगों की लाइफ बदली है। इस मीडियम के कई नुकसान तो कई फायदे भी हैं। काफी ऐसे लोग हैं, जो अपनी पोस्ट और रील्स की वजह से रातों-रात सोशल मीडिया पर वायरल हो जाते हैं। इन्हीं में से एक नाम है असम की रहने वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अर्चिता फुकान का। अर्चिता फुकान सोशल मीडिया पर बेबी डॉल आर्ची के नाम से मशहूर हैं। बीते दिनों उन्होंने अमेरिकन पॉर्न स्टार केंड्रा लस्ट के साथ एक फोटो शेयर की थी, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो गई थी। क्या आप जानते हैं कि आज बड़ी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन चुकी अर्चिता फुकान कभी वेश्यावृति में थीं, जिससे निकलने के लिए उन्होंने बड़ी किस्मत चुकाई थी।0 अर्चिता फुकान ने खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर साल 2023 में एक पोस्ट शेयर करते हुए ये खुलासा किया था कि वह छह साल तक वेश्यावृति के काम में थीं। उन्होंने अपनी दो तस्वीरें भी शेयर की थी, जिसमें एक फोटो में वह रूम में बैठी हैं और दूसरी में वह ब्लैक शॉर्ट्स और टॉप के साथ डेनिम जैकेट में पोज कर रही हैं। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए अर्चिता ने लिखा था, 'आपका अतीत आपकी जर्नी नहीं समझा सकता। छह साल तक इंडिया में वेश्यावृति की काली दुनिया में फंसे रहने के बाद मैं इसकी बेड़ियां तोड़कर निकलने में सफल रही थी। मैंने अपनी आजादी के लिए उस समय 25 साल रुपए दिए थे। अपने इस पोस्ट के साथ अर्चिता फुकान ने आगे कैप्शन में लिखा था, 'आज, जब मैं अपने भयानक अतीत के बारे में सोचती हूं, तो मैं मजबूती के साथ खड़ी होती हूं और अपने अंदर ये उम्मीद रखती हूं कि किसी भी इंसान के अंदर इतनी पावर होती है कि वह अपने सबसे अंधकारमय समय से निकलकर उससे जीत सकता है। अपने एक विश्वसनीय दोस्त की और मेरे जैसे सर्वाइवर की मदद करने वाले ऐसे ऑर्गेनाइजेशन की मदद से मैं 8 लड़कियों और महिलाओं को आजाद करके नई लाइफ देने में सफल रही हूं। जिसकी मुझे बहुत ज्यादा खुशी है'।

पर्दे पर आग लगा देगी तृप्ति और सिद्धांत की जोड़ी

सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' एक लंबे समय से अटकी हुई थी। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही ये फिल्म साल 2024 में रिलीज होने वाली थी, लेकिन किसी न किसी कारणवश फिल्म पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। सभी मुसीबतों को पार करते हुए इस रोमांटिक ड्रामा फिल्म को रिलीज डेट आखिरकार मिल गई है। अगले दो दिन में 'धड़क-2' का ट्रेलर ऑडियंस के सामने आ जाएगा, लेकिन उससे पहले मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर रिलीज करते हुए फैंस को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। गली ब्वॉय और फोन भूत और इनसाइड एज वेब सीरीज में अपने अभिनय की कला दिखाने वाले सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी पहली बार तृप्ति डिमरी संग बिग स्क्रीन पर दर्शकों को देखने को मिलेगी। आगामी फिल्म 'धड़क 2' का नया आधिकारिक पोस्टर सिद्धांत चतुर्वेदी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया। पोस्टर में एक-दूसरे से सिर मिलाते सिद्धांत ने जहां खुशी में अपनी आंखें बंद की हुई है, तो वहीं दूसरी तरफ 'एनिमल' एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी उनकी आंखों में ध्यान से देखकर मुस्कुरा रही हैं। इस पोस्टर पर लिखा हुआ है, 'मरने और लड़ने में से एक को चुनना हो तो लड़ना'। धडक 2 से ये नया पोस्टर फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इस पोस्टर के साथ

कैप्शन में सिद्धांत ने लिखा, 'दो दिल एक धड़कन'। धड़क 2 का ट्रेलर मेकर्स इस फ्राइडे यानी कि 11 जुलाई 2025 में रिलीज करेंगे। फिल्म की कहानी कहानी जातिवाद से जुड़े मुद्दों को दर्शाती है, जिसका एक अंदाजा फिल्म के पहले पोस्टर से ही लग गया था। फिल्म को सर्टिफिकेट देने में भी सेंसर बोर्ड की तरफ से काफी समय लिया गया था। हालांकि, कहावत है देर आए दुरुस्त आए। धड़क 2 के साथ भी ऐसा ही है। एक यूजर ने नए पोस्टर को देखने के बाद कमेंट करते हुए लिखा, 'यस मैं इस फिल्म का फर्स्ट डे फर्स्ट शो देखने जाऊंगी'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'सिद्धांत चतुर्वेदी दिल से इंतजार है'। एक और अन्य यूजर ने लिखा, 'ये देख लेना पक्का ब्लॉकबस्टर होगी'।

25 साल बाद 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की वापसी पर एकता ने लिखा भावुक कर देने वाला ओपन लेटर

कंटेंट क्वीन एकता कपूर ने एक भावुक और प्रभावशाली ओपन लेटर के जरिए अपने प्रतिष्ठित शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी ' के वापसी की घोषणा की है। इस बार यह शो सीमित एपिसोड्स के साथ लौट रहा है और यह सिर्फ पुरानी यादें ताजा करने के लिए नहीं, बल्कि एक खास मकसद के साथ लौट रहा है। "क्यों क्योंकि, क्यों अब?" शीर्षक से लिखे अपने नोट में एकता ने बताया कि उन्होंने इस शो को दोबारा शुरू करने का निर्णय कैसे लिया। कभी टीआरपी चार्ट्स पर राज करने वाला यह शो, वैवाहिक उत्पीड़न, उम्र पर तंज और महिला सशक्तिकरण जैसे मुद्दों पर भी बातचीत की शुरुआत करने वाला एक आंदोलन बन गया था। शुरुआत में झिझकते हुए एकता लिखती हैं, "आप कभी भी नॉस्टेल्जिया (पुरानी यादों) से मुकाबला नहीं कर सकते। वह हमेशा

सबसे ऊपर रहता है।" लेकिन जैसे-जैसे क्रिएटिव और नेटवर्क टीमों के साथ चर्चाएं आगे बढ़ीं, यह एहसास हुआ कि क्योंकि की कहानी अधूरी है। एक ऐसी कहानी, जिसमें आज भी समाज को आईना दिखाने और संवाद शुरू करने की ताकत है।वह खुद से एक महत्वपूर्ण सवाल पूछती हैं, "क्या हम फिर से ऐसी कहानियां सुना सकते हैं जो सोचने पर मजबूर करें और बातचीत को जन्म दें? क्या हम क्योंकि को आज की स्टोरीटेलिंग फॉर्मैट्स से अलग रखकर उन मुद्दों पर फिर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं जिन्हें कभी टीवी ने निडरता से उठाया और दिखाया था? क्या हम वो समय वापस ला सकते हैं जब पूरा परिवार डिनर टेबल पर बैठकर चर्चा करता था?" और इसी सवाल का उन्होंने खुद को जवाब दिया, "चलो करते हैं ये! एक ऐसा शो बनाते हैं जो अहम सवाल पूछने से न डरे, जो बातचीत को जन्म दे और ऐसे समय में अलग खड़ा हो, जब सब कुछ सिर्फ दृश्यात्मक आकर्षण (विजुअल गिमिक्स) पर आधारित होता जा रहा है।" सीमित एपिसोड्स के वादे के साथ, यह रीबूट न केवल मनोरंजन करने का बल्कि समाज को सोचने पर मजबूर करने और सबसे बढ़कर, प्रेरित करने का प्रयास है। एकता लिखती हैं, "क्योंकि के नाम, कहानी कहने की ताकत के नाम, बीते हुए समय को बस दोहराने के बजाय आने वाले समय को गढ़ने के नाम! हम कभी भी नॉस्टेल्जिया से जीत नहीं सकते। पर लड़ाई जीतने की नहीं, असर डालने की है!" क्योंकि सास भी कभी बहू थी की यह बहुप्रतीक्षित वापसी, प्रिय स्मृति ईरानी के नेतृत्व में, 29 जुलाई को रात 10:30 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगी और जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग के लिए भी उपलब्ध होगी।

रश्मिका संग डेटिंग की चर्चा

पर्सनल लाइफ को छुपाकर क्यों रखते हैं विजय देवरकोंडा?

विजय देवरकोंडा साउथ सिनेमा के टॉप एक्टर्स में शुमार हैं। विजय कई फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस के दिलों को धड़का चुके हैं। लेकिन एक्टर की प्रोफेशनल लाइफ के साथ उनकी पर्सनल लाइफ भी अक्सर चर्चा में बनी रहती है। अब विजय ने बताया है कि वो अपनी पर्सनल लाइफ को हमेशा गार्डेड क्यों रखना चाहते हैं? विजय देवरकोंडा को लेकर लंबे समय से ऐसी चर्चा है कि वो एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना संग रिश्ते में हैं। मगर कभी दोनों ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल नहीं किया। वहीं, एक इंटरव्यू में जब विजय से उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा था- 'मैं 35 साल का हूं। मैं सिंगल नहीं हूं।' तब इस बात पर खूब चर्चा हुई थी, लेकिन उन्होंने इससे ज्यादा डिटेल्स शेयर नहीं की थीं। मगर अब एक्टर ने बताया है कि आखिर वो अपनी पर्सनल लाइफ की डिटेल्स शेयर क्यों नहीं करते हैं? विजय बोले- फेम और गुमनामी की ये जंग है। आप दुनियाभर में मशहूर एक्टर बनना चाहते हो, मगर साथ ही गुमनाम भी रहना चाहते हो। ये एक तरह का पागलपन है। एक्टर ने आगे बताया कि अगर उन्हें चॉइस मिले तो वो अपना एक फिक्शनल वर्जन बनाकर अपनी असली पहचान छुपाना चाहेंगे। एक्टर बोले- मैं लोगों से कहता था कि अगर मैं एक ऐसा मास्क पहन सकूं, जो मेरे जैसा न दिखे, और वो आदमी स्टार बन जाए जबकि मैं सिर्फ एक्टिंग करता रहूं तो मैं खुश रहूंगा, क्योंकि मेरे लिए, मैं विजय देवरकोंडा 'द एक्टर।।।' के लिए काम करता हूं। इस बयान से साफ झलकता है कि विजय के लिए एक्टिंग एक प्रोफेशन है, न कि वो उनकी पर्सनैलिटी का पूरा हिस्सा है। वो अपने काम और असली जिंदगी को अलग-अलग रखने में यकीन रखते हैं। इसीलिए वो अपनी पर्सनल लाइफ को पर्सनल ही रखना चाहते हैं।

सन नियो के कलाकार ईशा पाठक और मेघा रे ने साझा किए अपने गुरुओं के प्रति विचार

ईशा पाठक ने खोले दिल के राज, कहा –"हर इंसान हो सकता है गुरु"

जिंदगी में हम कई लोगों से मिलते हैं, लेकिन असली असर उन गुरुओं का होता है, जो हमें सही राह दिखाते हैं। गुरु पूर्णिमा के खास मौके पर, सन नियो के कलाकार ईशा पाठक (रिश्तों से बंधी गौरी की मुख्य अभिनेत्री) और मेघा रे (दिव्या प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी की मुख्य अभिनेत्री) ने अपने-अपने जीवन के ऐसे ही गुरुओं और मार्गदर्शकों के बारे में खुलकर बातें कीं, जिन्होंने उन्हें निजी और पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने में मदद की।

पर्दे पर गौरी का किरदार निभा रही ईशा पाठक मानती हैं कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती और गुरु हमें अलग-अलग रूपों में मिलते हैं। उन्होंने कहा, "गुरु वही होता है, जो हमें बेहतर इंसान बनने में मदद करे। मैंने बच्चों से लेकर बड़ों तक, निर्देशकों से लेकर अपने सह-कलाकारों तक, सभी से कुछ न कुछ सीखा है। यहां तक कि हमारे आसपास के लोग कैसे पेश आते हैं, वो भी हमें बहुत कुछ सिखाता है। अगर सीखने की चाह हो, तो पूरी दुनिया ही एक स्कूल बन जाती है। लेकिन अगर खुद ही न सीखना चाहें, तो कोई भी गुरु कुछ नहीं कर सकता। असली गुरु की खासियत होती है उनकी विनम्रता और हम पर उसका विश्वास। यह भरोसा बहुत कीमती होता है। मैं अपने हर गुरु और शिक्षक की आभारी हूं, जिन्होंने मुझे आगे बढ़ने में मदद की। इस गुरु पूर्णिमा पर मैं उन्हें दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं।"

दिव्या का किरदार निभा रही मेघा रे ने भी अपनी सीखने की यात्रा को खूबसूरती से बताया। उन्होंने कहा, "मेरे पहले गुरु मेरे माता-पिता हैं। उन्होंने ही मुझे चलना, खाना और

फैसले लेना सिखाया। एक अभिनेत्री के तौर पर मेरे निर्देशक मेरे गुरु होते हैं, जो अपनी सोच और नजरिए से मेरा मार्गदर्शन करते हैं और मेरे अभिनय को बेहतर बनाते हैं। और फिर होते हैं दर्शक, जिनका प्यार और सुझाव मुझे और अच्छा करने की प्रेरणा देते हैं। असली गुरु सिर्फ हमें पढ़ाते नहीं बल्कि सही राह दिखाता है, हमें सुधारते हैं और प्रोत्साहित करते हैं। इस गुरु पूर्णिमा पर मैं अपने सभी गुरुओं को दिल से धन्यवाद कहना चाहती हूं, जिन्होंने मेरी जिंदगी को रोशनी दी।"

इन दोनों अभिनेत्रियों के दिल से निकली हुई बातें उनमें आभार और विनम्रता की भाव को बयां करती हैं। यह वही गुण हैं जो उनके पर्दे पर निभाए गए किरदारों में भी नजर आते हैं। रिश्तों से बंधी गौरी में ईशा की गौरी एक मजबूत और विनम्र महिला है, जो अनचाही शादी के बाद भी मुश्किल हालातों का सामना करती है और हिम्मत और आस्था के साथ आगे बढ़ती है। वहीं, दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी में मेघा की दिव्या अपने जीवन में प्यार, राज और उतार-चढ़ाव भरी कहानियों से गुजरती है।

'रिश्तों से बंधी गौरी' हर रात 8:00 बजे और दिव्य प्रेम : प्यार और रहस्य की कहानी रात 8:30, सोमवार से रविवार सिर्फ सन नियो पर प्रसारित होता है।

'मैंने अपने पूरे कपड़े...'

एक्ट्रेस ने 45 साल बड़े स्टार के साथ दिया बोल्ड सीन

आजकल फिल्मों में बोल्ड सीन होना आम बात मानी जाती है। हालांकि, पुराने जमाने में लोग एक्टर्स और एक्ट्रेसेज को सिर्फ उनके अभिनय के आधार पर आंकते थे। ऐसे में स्क्रीन पर अत्यधिक बोल्ड होना एक्ट्रेस के कैरेक्टर पर सवाल उठाता था। इस अभिनेत्री को कई सफल फिल्मों में कास्ट किया गया था। आज हम जिस अभिनेत्री के बारे में बात कर रहे हैं उन्हें कोयला, बादशाह, दिल्लगी, पार्टनर जैसी फिल्मों में उनके किरदारों के लिए जाना जाता था। साल 1997 की एक फिल्म में उन्होनें अपने से उम्र में बड़े एक एक्टर के साथ एक ऐसा बोल्ड सीन दिया था जिसको लेकर बहुत विवाद हुआ था। दरअसल एक्ट्रेस फिल्म कोयला में अमरीश पुरी के साथ दिए अपने बोल्ड सीन को लेकर बात कर रही थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि कैसे दर्शकों ने बिंदिया रानी के किरदार को गलत समझा था। बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में दीपशिखा ने कहा, 'ये अमरीश पुरी के साथ बिंदिया रानी वाला सीन था। वो किरदार अपने आप में ऐसा ही था। उसे अमरीश पुरी के साथ करना था। आजकल लोग अक्सर ऐसे सीन को घटिया बना देते हैं... अभिनेत्रियों से कपड़े उतारने को कहते हैं वगैरह। लेकिन ये किरदार ऐसा नहीं था। मेरे पास कोई चारा नहीं था, और इसीलिए मुझे शाहरुख का किरदार पसंद आ गया।' समीर आर्य ने इस सीन के लिए दीपशिखा नागपाल की प्रशंसा की थी। अभिनेत्री ने उस संवेदनशील दृश्य पर निर्देशक राकेश रोशन के साथ काम करने को याद करते हुए कहा कि उन्होंने उनकी बहुत मदद की और सम्मान और गरिमा को बनाए रखा। दीपशिखा ने बताया कि राकेश रौशन ने पहले ही उनसे सीन को लेकर बात कर ली थी। वह हर चीज को बारीकी से समझा रहे थे क्योंकि मैं न्यूकमर थी और मेरे लिए वो मुश्किल सीन था। सेट पर उस वक्त दीपशिखा की मां भी मौजूद थीं। दीपशिखा ने कहा कि इतना सहूलियत के बावजूद लोगों ने उन्हें गलत समझा और जज किया कि उन्होंने अपने सारे कपड़े हटा दिये थे जबकि ऐसा कुछ भी नहीं था। हालांकि दीपशिखा ने कहा कि उन्हें अपने काम पर गर्व है।

फिल्म के बाद खूब मचा था बवाल

'आशिक बनाया आपने' की टीम के साथ वापसी के लिए तैयार इमरान हाशमी

अभिनेता इमरान हाशमी अपनी फिल्म 'आशिक बनाया आपने' के निर्देशक आदित्य दत्त के साथ एक धमाकेदार एक्शन ड्रामा लेकर आने वाले हैं। इस फिल्म का नाम 'गनमास्टर 69' है। निर्माताओं ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। आदित्य दत्त, जो 'टेबल नंबर 21', 'कमांडो' फ्रैंचाइज़ी और हाल ही में रिलीज़ हुई ओटीटी सीरीज 'बैड कॉप' के लिए जाने जाते हैं, इस फिल्म को एक फुल सर्कल मोमेंट में देखते हैं। इस फिल्म में इमरान हाशमी, आदित्य दत्त और संगीतकार हिमेश रेशमिया लगभग दो दशकों के बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। इसका निर्माण दीपक मुकुट और हुनर मुकुट ने सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है। उन्होंने कहा, 'जब हमने आशिक बनाया आपने बनाई थी, हम युवा थे, भूखे थे और प्रयोग कर रहे थे। गनमास्टर G9 के साथ, हम अब भी वही हैं—लेकिन और भी नुकीले और परिपक्व हो गए हैं। यह मेरे लिए एक फुल-सर्कल मोमेंट है।

एम्बाप्पे ने ट्रॉफी जीतने के लिए छोड़ा था पीएसजी का साथ, उसी से क्लब वर्ल्ड कप में रियल मैड्रिड हारी

एजेंसी ● ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका)

फ्रांस के फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट-जर्मेन (ढरऋ) ने रियल मैड्रिड को 4-0 से हराकर क्लब वर्ल्ड कप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस मैच में ढरऋके मिडफील्डर फाबियान रूइज ने पहले हाफ में ही दो गोल कर शानदार प्रदर्शन किया। अब ढरऋका सामना चेल्सी से फाइनल में होगा। पीएसजी का प्रदर्शन इस साल शानदार रहा है। टीम ने चैंपियंस लीग का खिताब भी अपने नाम किया था। पिछले सीजन पीएसजी छोड़कर ट्रॉफी जीतने के लिए ही किलियन एम्बाप्पे रियल मैड्रिड पहुंचे थे। अब उनके हाथ सिर्फ निराशा लग रही।

पहले 9 मिनट में ही दो गोल- मैच की छठी मिनट में रियल मैड्रिड के खिलाड़ी राउल एसेन्सियो से गलती हो गई, जिससे ढरऋके उस्मान डेम्बेले को गेंद मिल गई। उनका शॉट तो गोलकीपर थिबो कर्टोआ ने रोक लिया, लेकिन गेंद वापस फाबियान रूइज के पास आई

और उन्होंने आसानी से गोल कर दिया। तीन मिनट बाद, एंटोनियो रुडिगर की खराब पास का फायदा उठाकर डेम्बेले ने फिर गेंद पर कब्जा किया और बिना किसी रुकावट के बॉक्स में घुसकर शानदार गोल किया।24वें मिनट में अचरफ हकीमी ने दाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और पास दिया। रूइज ने डिफेंडर एसेन्सियो को चकमा देकर पास से गोल कर दिया। 24वें मिनट में 3-0 की बढ़त के बाद भी पीएसजी अटैक करती रही। मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले, गोंसालो रामोस ने चौथा गोल कर ढरऋकी जीत को और पक्का कर दिया। रियल मैड्रिड की टीम पूरे मैच में कमजोर नजर आई और कोई भी बड़ा अटैक नहीं कर सकी। ढरऋने शुरू से लेकर अंत तक पूरी तरह मैच पर कब्जा बनाए रखा।क्लब वर्ल्ड कप का खिताबी मुकाबला 13 जुलाई को खेला जाएगा। भारत में इसी शुरूआत 14 जुलाई को रात 12 बजकर 30 मिनट होगी। पीएसजी की टीम पहली बार इस टूनार्मेंट के फाइनल में पहुंची है। दूसरी तरफ चेल्सी 2021 की चैंपियन है। 2012 में टीम को खिताबी मुकाबले में हार मिली थी। रियल मैड्रिड ने सबसे ज्यादा 5 बार क्लब वर्ल्ड कप की ट्रॉफी अपने नाम की।

कम कपड़ों में अच्छा खेलती हूं... दुनिया की सबसे खूबसूरत खिलाड़ी ने ये क्या कह डाला

नई दिल्ली: गोल्फ की दुनिया की जानी-मानी इन्फ्लुएंसर पेज स्पिरनाक एक बार फिर से सुर्खियों में हैं। इस बार उन्होंने गोल्फ खेलते समय अपने कपड़ों को लेकर अजीब बयान दिया है। पेज ने अपने फैंस के साथ एक दिलचस्प बात साझा की है। पेज का मानना है कि वह कम कपड़ों में बेहतर गोल्फ खेलती हैं। बता दें कि पेज अपने गोल्फ खेलने के अंदाज के साथ आउटफिट के लिए भी चर्चा में रहती हैं। कपड़ों को लेकर कई बार पेज की आलोचना भी हुई है, लेकिन उन इन चीजों का कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा है। हाल ही में पेज ने अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर की थी। उनकी यह तस्वीर एक मैच के बाद की है। इस तस्वीर में पेज एक सामान्य शर्ट और कटी हुई पैंट पहने हुए दिखीं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए पेज ने मैच में अपने निराशाजनक खेल पर नाखुशी जाहिर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'अगर आप मुझे कुछ समय से फॉलो कर रहे हैं तो आप मेरी इस थ्योरी को जानते हैं कि जब मैं कम कपड़े पहनती हूं तो बेहतर खेलती हूं।'बता दें कि पेज ने कभी प्रो गोल्फर बनने का सपना देखा था, लेकिन उनका डेब्यू जल्द ही एक बुरे सपने में बदल गया। 'क्वाइट प्लीज नाम के एक पॉडकास्ट पर बात करते हुए पेज ने बताया था कि कैसे गोल्फ में उनके कपड़ों को लेकर बयानबाजी की गई थी, जिसके कारण उन्हें मानसिक प्रताड़ना ने गुजरना पड़ा था। उनके लिए यह किसी बुरे सपने से कम नहीं था।

मुश्किल विकेट पर शेफाली वर्मा की धुआंधार बैटिंग

पहली बार इंग्लैंड से टी20 सीरीज जीती टीम इंडिया!

एजेंसी ● इंग्लैंड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को 5 मैचों की टी20 सीरीज में हरा दिया है। पहले तीन में से दो मैच को अपने नाम करने वाली हरमनप्रीत कौर की टीम ने चौथे मुकाबले में भी जीत हासिल की। इसके साथ ही टीम ने एक मैच बाकी रहते ही सीरीज में अजेय बढ़त बना ही है। मैनचेस्टर को ओल्ड ट्रैफर्ड पर सीरीज का चौथा मुकाबला खेला गया। इसमें इंग्लैंड ने पहले खेलते हुए 7 विकेट पर 126 रन बनाए। टीम इंडिया ने आसानी से लक्ष्य हासिल किया और मैच को 6 विकेट से अपने नाम कर लिया। यह पहला मौका है जब भारत ने इंग्लैंड को दो से ज्यादा मैचों की टी20 सीरीज में हराया है। इससे पहले सभी 6 बार इंग्लैंड को जीत मिली थी।

इंग्लैंड की बैटिंग चली ही नहीं भारतीय गेंदबाजी के सामने इंग्लैंड की बल्लेबाज शुरूआत से ही दिक्कत में दिखीं। 20 साल की श्री चरणी ने तीसरे ही ओवर में डेनियम व्याट हॉग को आउट कर दिया। बैटिंग पावरप्ले में 2 विकेट पर इंग्लिश टीम 38 रन ही बना पाई। दूसरी सलामी बल्लेबाज सोफी डंक्ले 19 गेंद पर 22 रन बनाकर दीप्ति शर्मा का शिकार बनीं। इसके बाद टीम इंडिया ने इंग्लैंड के रन रेट को एक बार भी 7 के ऊपर नहीं जाने दिया।कप्तान टैमी ब्यूमोंट ने इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा 20 रन बनाए। आखिरी ओवर में सोफी इक्लेस्टोन (16) और इस्सी वोंग (11) ने मिलकर 16 रन बना दिए। इससे टीम 116 रनों तक पहुंच गई। भारत की तरफ से राधा यादव ने 4 ओवर में 15 रन देकर 2 विकेट लिए। श्री चरणी को भी दो सफलताएं मिली।पिच बैटिंग के लिए आसान नहीं थी लेकिन शेफाली वर्मा ने ताबड़तोड़ खेल दिखाया। उन्होंने आते ही चौकों की बरसात कर दी।

दूसरे ओवर में उन्होंने लॉरेन फिलर के खिलाफ तीन चौके मारे। पावरप्ले के बाद भारत का स्कोर बिना किसी विकेट पर 53 रन था। उसने इंग्लैंड को दबाव में ला दिया। 7वें ओवर में चार्ली डीन ने शेफाली को आउट कर दिया। उन्होंने 19 गेंदों पर 31 रन ठोके। स्मृति मंधाना ने 32 रनों की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 25 गेंद पर 25 रन बनाए। अंत में जेमिमा रोड्रिग्स ने नाबादा 24 रन बनाकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। भारत को 17वें ओवर में जीत मिली। राधा यादव को बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

100 करोड़, लग्जरी कारें, महल जैसा बंगला... महिला खिलाड़ी से पति ने 'छीन' ली थी आधी दौलत

एजेंसी ● नई दिल्ली

कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक फैसला सुनाया और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को वाइफ हसीन जहां को 4 लाख रुपये खर्च के तौर पर देने को कहा है। इससे पहले युजवेंद्र चहल का तलाक हुआ तो उन्होंने धनश्री वर्मा को करोड़ों रुपये (4.75 करोड़) एलिमनी के रूप में चुकाए। ये तो सिर्फ लेटेस्ट मामले हैं। इतिहास पर नजर डालेंगे तो टाइगर वुड्स से लेकर तमाम खिलाड़ियों ने तलाक के बाद अपनी पत्नी को करोड़ों-अरबों दिए। हालांकि, हाल फिलहाल में एक तबका ऐसे मामलों से खुश नहीं दिखा। खासकर चहल के मामले में। उसका मानना था कि अगर महिला अपना खर्च उठा सकती है तो उसे एलिमनी नहीं मिलनी चाहिए। खैर, एलिमनी देना सही है या नहीं, यह चर्चा का विषय है, लेकिन क्या आपको पता है कि परंपरा से हटकर एक ऐसी महिला खिलाड़ी हुई, जिसने तलाक की भारी कीमत खुद चुकाई थी, जो 100 करोड़ से अधिक थी। इसमें 60 करोड़ रुपये तो सीधे दिए गए, जबकि बाकी बंगले और कारों के रूप में थे।

आज कहानी क्रिस एवर्ट की। 21वीं शताब्दी की शुरूआत से खेल की दुनिया में एक नई क्रांति का दौर शुरू हो गया था। परंपरागत तरीके से खेले जाने वाले खेल में अब विज्ञान और तकनीक का हस्तक्षेप ज्यादा होने लगा। ऐसे में जाहिर तौर पर खेल की प्रवृत्ति और प्रकृति दोनों में बदलाव आना स्वाभाविक था। डिजिटलीकरण की वजह से खेल की खबरों में भी क्रांति आई। खिलाड़ियों की भी किस्मत बदली और उनकी कमाई 7वें आसमान पर पहुंच गई।इस डिजिटल युग में रातों-रात किसी खिलाड़ी या एथलीट को सुपरस्टार बनने में देर नहीं लगती है।

इसी तरह से शमी एक बेहद साधारण परिवार से आते थे। पिता किसान थे, लेकिन आज वह करोड़ों के मालिक हैं। कई सालों से निजी जीवन में उनकी वाइफ के साथ कानूनी विवाद चल रहा है। उन्हें कोर्ट ने आदेश दिया है कि हर महीने 4 लाख रुपये चुकाएं, जबकि हसीन जहां की मांग 10 लाख रुपए की थी। अब उस खेल की दुनिया के अनोखे मामले की ओर चलते हैं। यह महिला खिलाड़ी कोई और नहीं, टेनिस की दुनिया में 'आइस मेडेन' के नाम से मशहूर और 18 ग्रैंड स्लैम खिताबों की विजेता क्रिस एवर्ट हैं।क्रिस एवर्ट हमेशा अपने बेहतरीन खेल के लिए जानी जाती थीं, लेकिन 2006 में वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर इस कदर सुर्खियों में आईं कि पूरी दुनिया में एक मिसाल बन गईं। खास तौर से तब जब उनके तलाक की खबर आई। इस खबर ने सबको चौंका दिया था। यह एक ऐसा मामला था जहां तलाक के बाद एक महिला खिलाड़ी ने अपने पूर्व पति को एक बड़ा गुजारा भत्ता दिया जो उस समय काफी चर्चित मामला था। क्रिस एवर्ट और पूर्व ओलंपिक स्कीयर एंडी मिल की शादी 18 साल तक चली थी।

लंदन में विंबलडन टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल महिला एकल मैच के दौरान जर्मनी की लॉरा सीगेमंड बेलारूस की आर्यना सबालेंका से मुकाबला करती हुई।

ये तो गलत बात है... इंग्लैंड में इस बात से परेशान टीम इंडिया, ऋषभ पंत ने लॉर्ड्स टेस्ट से पहले बता दिया

एजेंसी ● लंदन

भारत के उप कप्तान ऋषभ पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में इस्तेमाल की जा रही ड्यूक्स गेंद की गुणवत्ता की आलोचना करते हुए कहा कि बुधवार को कहा कि उन्होंने लाल गेंद को इस हद तक बिगड़ते कभी नहीं देखा। ड्यूक्स की गेंद का आकार बिगड़ रहा है जिससे इस सीरीज में खिलाड़ी नियमित रूप से अंपायरों के पास जाकर गेंद को बदलने की मांग कर रहे हैं।

गेंद के नरम होने के बाद गेंदबाजों को इससे कोई मदद नहीं मिल रही जिससे बल्लेबाज-गेंदबाज मुकाबला मुख्य रूप से नई गेंद तक ही सीमित रह गया है। गुरुवार से लार्ड्स में शुरू हो रहे टेस्ट से पहले पंत ने कहा कि गेंद एक बड़ी समस्या बन गई है और यह खेल के लिए अच्छी नहीं है। पंत ने मैच से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'गेंदों को मापने का गेज (चाहे ड्यूक्स हो या कूकाबुरा) एक जैसा होना चाहिए। लेकिन अगर यह छोटा होता तो बेहतर होता (हंसते हुए)। गेंदें बहुत परेशानी दे रही हैं। निश्चित रूप से मुझे लगता है कि यह एक बड़ी समस्या है क्योंकि गेंद का आकार बिगड़ रहा है।

उन्होंने कहा, ह्यगेंद का आकार बहुत अधिक बिगड़ रहा है। मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह खिलाड़ियों के लिए निश्चित रूप से परेशान करने वाला है क्योंकि हर गेंद अलग तरह से खेलती है। जब यह नरम हो जाती है तो कभी-कभी मूवमेंट नहीं मिलती। लेकिन जैसे ही गेंद बदलती है तो पर्याप्त मदद मिलने लगती है।ह्लभारत के इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज ने कहा, ह्यएक बल्लेबाज के तौर पर आपको इसके साथ तालमेल बैठाते रहना होता है। लेकिन साथ ही मुझे लगता है कि यह क्रिकेट के लिए वैसे भी अच्छा नहीं है।ह्ल भारत ने एजबेस्टन टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग 11 में दो स्पिनरों और तीन तेज गेंदबाजों को चुना और मुकाबला 336 रन से जीता। लॉर्ड्स की पिच से बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। पंत ने यह पुष्टि नहीं की कि भारत दो स्पिनरों को खिलाएगा या नहीं।पंत ने कहा, ह्यहमें कल तक पता चल जाएगा कि यह 3-1 होगा या 3-2, जब आप दो दिन विकेट देखते हैं तो कभी-कभी इसका रंग बदल जाता है, नमी भी कम हो जाती है।ह्ल कप्तान शुभमन गिल ने भी एजबेस्टन टेस्ट के बाद गेंद के नरम होने की शिकायत की थी।

दो सपाट पिचों के बाद लॉर्ड्स की पिच को लेकर चल रही अटकलों पर पंत ने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता नहीं है कि सतह कैसा व्यवहार करेगी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा, ह्यहमें जो भी परिस्थिति दी जाए हमें उससे कोई दिक्कत नहीं है। हम इस बारे में नहीं सोचना चाहते कि विरोधी टीम क्या सोच रही है। क्या वे अपनी योजना बदल रहे हैं या नहीं?ह्ल पंत को यह भी लगता है कि एजबेस्टन और लॉर्ड्स के बीच कम समय का ब्रेक भारत को अपनी लय बनाए रखने में मदद करेगा। चार साल से अधिक समय बाद जोफ्रा आर्चर की इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी के बारे में पूछे जाने पर पंत ने कहा कि वह बारबाडोस में जन्मे इंग्लैंड के इस तेज गेंदबाज के लिए खुश हैं। मैदान पर पंत सबसे अधिक खुशमिजाज खिलाड़ियों में से एक हैं और लगातार गिल को सलाह देते रहते हैं। कप्तान के साथ रिश्तों के बारे में पंत ने कहा, ह्यजब टीम में अच्छी दोस्ती होती है तो वह अंततः मैदान पर भी दिखाई देती है और ठीक यही हो रहा है।

कोर्ट पर बुरी तरह गिरे नोवाक जोकोविच, विपक्षी खिलाड़ी ने खेल भावना से जीत लिया सभी का दिल

एजेंसी ● लंदन

हर साल टेनिस के चार ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन खेले जाते हैं। ऑस्ट्रेलियन और यूएस ओपन हार्ट कोर्ट पर होता है। वहीं फ्रेंच ओपन का आयोजन क्ले कोर्ट पर किया जाता है। विंबलडन का आयोजन ग्रास कोर्ट पर होता है। वैसे तो क्ले कोर्ट पर खेलना सबसे मुश्किल माना जाता है लेकिन ग्रास कोर्ट खिलाड़ियों को सबसे ज्यादा चोटिल करता है। घास पर फिसलने का खतरा काफी रहता है। हर सीजन यहां काफी खिलाड़ी फिसलते हैं और कई तो गंभीर रूप से भी चोटिल हो जाते हैं।विंबलडन 2025 के पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सर्बिया के नोवाक जोकोविच के सामने इटली के फ्लेवियो कोबोली की चुनौती थी। पहला सेट हारने

के बाद जोकोविच ने शानदार वापसी की। मुकाबले में जीत हासिल करने से ठीक पहले वह कोर्ट पर गिर गए। वह काफी मुश्किल में दिख रहे थे। हालांकि थोड़ा समय लेने के बाद वह खेलने के लिए तैयार हुए और तुरंत ही मुकाबला अपने नाम कर लिया। जोकोविच 7 बार के विंबलडन और 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं।

जब नोवाक जोकोविच गिरे से सभी घबरा गए। उनके विपक्षी खिलाड़ी फ्लेवियो कोबोली ने खेल भावना का परिचय दिया। हार सामने देखने के बाद भी वह तुरंत जोकोविच के पास पहुंचे। अपने रैकेट जमीन पर डालकर जोकोविच स्ट्रेचिंग कर रहे थे। कोबोली ने रैकेट उठाया और जोकोविच को दे दिया। जोकोविच ने भी रैकेट लेने के बाद कोबोली की पीठ थपथपाई। इस मैच में जोकोविच को 6-7, 6-2, 7-5, 6-4 से जीत मिली। 14वीं बार वह यहां सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

विंबलडन के सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच का सामना वर्ल्ड नंबर-1 यानिक सिनर से होगा। फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में सिनर ने जोकोविच को हराया था। अपने चोट के बारे में मैच के बाद नोवाक जोकोविच ने कहा- गिरने के लिहाज से देखा जाए तो यह काफी बुरा था। यह बहुत ही असहज स्थिति में हुआ। घास पर ऐसा अक्सर हो जाता है। ग्रास-कोर्ट करियर के दौरान कई बार मैं ऐसा गिरा हूं। जाहिर है, अब शरीर वैसा नहीं रहा जैसा पहले हुआ करता था, तो असली असर या प्रभाव शायद मुझे कल महसूस होगा। तो देखते हैं क्या होता है।'

फिर घुटनों पर आया पाकिस्तान, एशिया कप के लिए हॉकी टीम आएगी भारत, क्रिकेट में क्या होगा?

नई दिल्लीः भारत और पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम को आगामी एशिया कप में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा करने की अनुमति मिल गई है। यह टूनार्मेंट 27 अगस्त से 7 सितंबर, 2025 तक बिहार के राजगीर में आयोजित होने वाला है। खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने गुरुवार को इस बात की पुष्टि की है कि गृह मंत्रालय (टल्हअ), विदेश मंत्रालय (टएअ) और खेल मंत्रालय तीनों ने पाकिस्तान टीम को मंजूरी दे दी है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' जैसी घटनाओं के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी बिगड़ गए थे।

इन घटनाओं के बाद ऐसी अटकलें थीं कि भारत सरकार पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा रद्द कर सकती है, जिससे पाकिस्तान हॉकी टीम की भागीदारी पर संदेह पैदा हो गया था। हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने पहले कहा था कि वे सरकार के निदेशों का पालन करेंगे और स्थिति पर करीब से नजर रखेंगे। हालांकि, अब ऐसा प्रतीत होता है कि भारत सरकार ने खेल और राजनीति को अलग रखने का निर्णय लिया है, कम से कम बहुराष्ट्रीय आयोजनों के संदर्भ में।पिछली बार पाकिस्तान हॉकी टीम ने पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीनों बाद 2016 में लखनऊ में जूनियर विश्व कप में भाग नहीं लिया था। इसके बावजूद इस बार एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी खेल कूटनीति के लिए एक सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि भविष्य में भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंध किस दिशा में आगे बढ़ते हैं, खासकर जब दोनों देश इस साल के अंत में भारत में आयोजित होने वाले जूनियर विश्व कप में भी आमने-सामने हो सकते हैं।मंत्रालय के सूत्र ने स्पष्ट किया- हम भारत में किसी भी टीम के बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करने के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन द्विपक्षीय (खेल संबंध) अलग मामला है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, शुक्रवार, 11 जुलाई, 2025
www.adityabharat.com

म्यांमार के यांगून में वासो पूर्णिमा के दिन, बौद्ध व्रत की शुरुआत का प्रतीक पवित्र दिन, ऑश्वेडागोन पैगोडा में दर्शन करते श्रद्धालु बुद्ध की मूर्ति पर जल चढ़ाते हैं।

जंग को वीडियो गेम की तर्ज पर लड़ रहा यूक्रेन

रूसी टैंक उड़ाओ, पॉइंट्स कमाओ, जितना बड़ा लक्ष्य उतना बड़ा इनाम

कीव ● एजेंसी

यूक्रेन और रूस के बीच चल रही जंग अब एक डिजिटल युद्ध बन चुकी है। यहां फ्रंटलाइन पर तैनात सैनिकों को हर रूसी टैंक या सैनिकों को मारने पर वीडियो गेम की तरह पॉइंट्स मिलते हैं। जितना बड़ा रूसी टारगेट, उतने ज्यादा पॉइंट्स मिलते हैं। इन पॉइंट्स को जवान 'वॉर मार्केटप्लेस' पर रिडीम कर सकते हैं और उसके बदले में नए हथियार, ड्रोन या जरूरी उपकरण मिलते हैं। इस रणनीति को यूक्रेनी मंत्री मिखाइलो फेडोरोव ने आर्मी ऑफ ड्रोन प्रोग्राम के तहत लागू किया है। अब इसे अमेजन फॉर मिलिट्री के रूप में विस्तार दिया जा रहा है।

जंग के लिए अमेजन जैसा मार्केट प्लेस - यूक्रेनी सेना की इस नई पहल का नाम ब्रेव 1 मार्केट है। यह अमेजन जैसा ऑनलाइन स्टोर है। यह यूनिट्स को उनकी पॉइंट्स के आधार पर सैन्य सामग्री खरीदने की सुविधा देता है। इस व्यवस्था से सैनिकों की जंग लड़ने की क्षमता बढ़ती है। इससे कमांडरों को जंग का लाइव डेटा भी मिल रहा है। इससे यह एक क्रांतिकारी बदलाव साबित हुआ है। जो जंग को और भी तेज व स्मार्ट बना रहा है। इससे नौकरशाही की लेटलतीफी से मुक्ति मिलती है और यूनिट्स को तेजी से हथियार मिल पाते हैं।

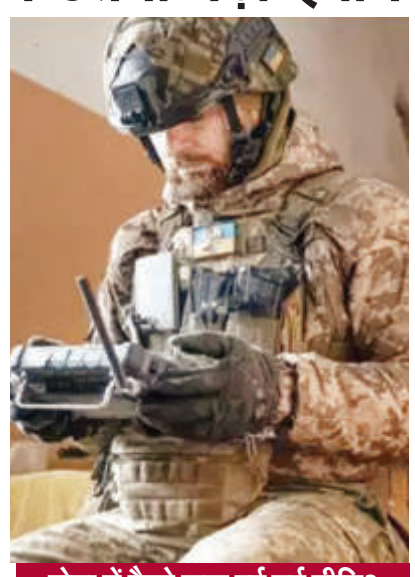

सेना में कैसे लागू हुई नई नीति?

अगस्त 2024 में यूक्रेनी सेना में नई नीति लागू हुई। इसमें हर अटैक को रिकॉर्ड किया जाता है। जिस सैनिक ने जितनी अधिक रूसी संपत्ति नष्ट की, उसे उतने अधिक पॉइंट्स मिलते हैं। उदाहरण के लिए, एक टैंक को उड़ाने पर 15 पॉइंट्स, एक रूसी ड्रोन ऑपरेटर को मारने पर 12 पॉइंट्स। ड्रोन फीड के जरिए हर दावे को वेरिफाई किया जाता है। यूक्रेन की 414 वीं मरीन यूएवी यूनिट बर्ड्स ऑफ मेग्यर इस पूरे मॉडल की सबसे सफल यूनिट है। इसके कमांडर रॉबर्ट ब्रोवदी उर्फ मैग्यर की लीडरशिप में यह यूनिट अकेले 8% रूसी टैंक और बख्तरबंद गाड़ियों को उड़ाने का दावा करती है।

शॉट न्यूज

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से 120 की मौत

टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य में 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ में अब तक कुल 120 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इनमें अकेले केर काउंटी में 95 लोगों की जान गई है, जिनमें 36 बच्चे भी शामिल हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जिले के लिए डिजास्टर डिक्लेरेशन पर साइन कर दिए हैं। इसके बाद फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) की टीम मौके पर पहुंच गई है। 4 जुलाई को टेक्सास की ग्वाडालूप नदी में अचानक आई बाढ़ की चपेट में कई इलाके आ गए। नदी के किनारे एक समर कैंप चल रहा था, जिसमें सैकड़ों लड़कियां मौजूद थीं। बाढ़ से 27 लड़कियों की मौत हो गई, हालांकि राहत दल ने 750 लड़कियों को सुरक्षित निकाल लिया।

ट्रम्प ने ब्राजील पर लगाया 50 प्रतिशत टैरिफ

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्राजील से आयात होने वाले सामानों पर 50% टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसे लेकर उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक लेटर शेयर किया। इसमें उन्होंने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति और अपने दोस्त जायर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहे मुकदमे की निंदा की। ट्रम्प ने कहा कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहा मुकदमा ब्राजील के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी' है, यह एक तरह 'विच हंट' (बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगाना) है। ट्रम्प ने कहा- ब्राजील में फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा है और अमेरिकी लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को कंट्रोल किया जा रहा है।

मुंबई कैंटीन विवाद- फूड डिपार्टमेंट से लाइसेंस रद्द

मुंबई। मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस की कैंटीन में खराब खाने पर फूड डिपार्टमेंट ने लाइसेंस रद्द कर दिया। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के अधिकारियों ने कैंटीन से पनीर, चटनी, तेल और दाल के सैंपल लिए हैं। अधिकारी ने बताया कि, इन्हें लैब भेजा जाएगा और रिपोर्ट 14 दिनों में आएगी। तब तक के लिए कैंटीन का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। फूड विभाग की तरफ से यह कार्रवाई शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ की शिकायत पर की गई है। दरअसल 8 जुलाई को संजय गायकवाड़ खराब दाल परोसे जाने से नाराज हो गए थे। गायकवाड़ कैंटीन में आए और स्टाफ की पिटाई कर दी। इसका वीडियो 9 जुलाई को सामने आया। हालांकि मामले को लेकर विधायक ने कहा- मुझे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है।

इजरायल-हमास युद्धविराम को लेकर बढ़ा रहे कदम

भोजन-दवाइयों के लिए तड़प रहा गाजा

संवाददाता ● गाजा

हमास ने गाजा पट्टी में चल रहे संघर्ष के बीच 10 इजरायली बंधकों को रिहा करने पर सहमति जताई है। यह घोषणा तब हुई है जब इजरायली सेना के ताजा हमलों में गाजा में कम से कम 74 लोग मारे गए हैं। बंधकों की रिहाई को लेकर हमास ने कहा कि यह कदम युद्धविराम की दिशा में चल रही वार्ताओं का हिस्सा है। हालांकि उसने इजरायल पर अड़ियल रुख अपनाने का आरोप लगाया है।

घोषणा

एक रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने कल बयान दिया कि कतर और अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही वार्ताओं में कई बाधाएं हैं। इनमें गाजा में अत्यावश्यक सहायता की आपूर्ति, इजरायली सेना की वापसी, और स्थायी युद्धविराम के लिए वास्तविक गारंटी जैसे मुद्दे शामिल हैं। हमास के एक सीनियर लीडर ताहेर अल-नूनू ने बताया कि समूह ने 10 बंधकों की रिहाई के बदले भोजन, दवाइयां, और इजरायली हमलों को रोकने की मांग की है, जो उनके अनुसार मानवता की दिशा

में एक कदम है। दूसरी ओर, इजरायली सैन्य प्रमुख इयाल जमीर ने एक टेलीविजन भाषण में कहा कि 10 जीवित बंधकों और नौ अन्य के शवों की रिहाई के लिए परिस्थितियां तैयार की गई हैं। हालांकि, युद्धविराम की संभावनाओं के बावजूद, इजरायली सेना ने गाजा में अपने हमले जारी रखे, जिसमें बुधवार को 74 लोग मारे गए। इनमें से आठ लोग गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के एक खाद्य वितरण केंद्र पर इंतजार कर रहे थे।

अंतरराष्ट्रीय प्रयास और विवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर उम्मीद जताई कि जल्द ही युद्धविराम हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि इजरायल ने 60 दिनों के युद्धविराम की शर्तों को स्वीकार कर लिया है, लेकिन हमास ने इस तरह के किसी समझौते को अस्वीकार करने की बात से इनकार किया। ट्रंप के मध्य पूर्व दूत ने कहा कि इजरायल और हमास के बीच मतभेद कम हो रहे हैं, लेकिन कोई ठोस समयसीमा अभी तक तय नहीं हुई है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास के पूर्ण निरस्त्रीकरण और गाजा से उसके शासन को हटाने की मांग की है। दूसरी ओर, हमास ने स्पष्ट किया है कि वह केवल तभी बंधकों को रिहा करेगा जब इजरायल स्थायी युद्धविराम और गाजा से अपनी सेना की पूर्ण वापसी पर सहमत होगा।

गाजा में सहायता संकट - गाजा में सहायता वितरण को लेकर भी विवाद बढ़ रहा है। गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के संचालन शुरू होने के बाद से, सहायता प्राप्त करने की कोशिश में 650 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं और लगभग 4,000 घायल हुए हैं। एक इजरायली समाचार पत्र हारेत्ज़ की हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि इजरायली सैनिकों ने अपने कमांडरों के आदेश पर सहायता की तलाश में आए निहत्थे फिलिस्तीनियों पर जानबूझकर गोलीबारी की।

गाजा में मानवीय संकट

गाजा में इजरायली हमलों का सिलसिला जारी है, जिसने क्षेत्र को तबाह कर दिया है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर आश्चर्यजनक हमले के बाद से गाजा में अब तक कम से कम 57,523 फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। इजरायली सेना ने उत्तरी गाजा के बेत हानून में एक और बड़ा हमला शुरू किया, जो मंगलवार को हमास के एक आश्चर्यजनक हमले में पांच इजरायली सैनिकों की मौत के बाद हुआ।गाजा में मानवीय स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की मानवीय एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अस्पतालों में संसाधनों की कमी है, एम्बुलेंस रुक रही हैं, और जल आपूर्ति प्रणाली ढहने की कगार पर है। गाजा के इंडोनेशियाई अस्पताल के निदेशक मारवान अल-सुल्तान ने युद्ध के दौरान स्वास्थ्य प्रणाली के पतन के भयावह विवरण साझा किए हैं।

कर्नाटक- हासन में 40 दिन में हार्टअटैक से 23 मौतें

मैसुरु में लोग जांच कराने पहुंचे

बेंगलुरु ● एजेंसी

कर्नाटक के हासन में हार्ट अटैक से मौत के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले 40 दिनों में यहां हार्ट अटैक से 23 मौतें हो चुकी हैं। इनमें से छह की उम्र 19 से 25 साल के बीच थी। वहीं, आठ की उम्र 25 से 45 साल के बीच थी। उधर बेंगलुरु के जयदेव अस्पताल में हार्ट अटैक के मरीजों की संख्या में 8% का इजाफा हुआ है। डॉक्टरों ने बताया कि बढ़ते मामलों के बीच हासन और आसपास के जिलों से कई लोग एहतियाती जांच के लिए आ रहे हैं। मैसुरु के भी जयदेव अस्पताल में हार्ट से जुड़ी जांच के लिए रोजाना हजारों लोग पहुंच रहे हैं।

जांच

जयदेव अस्पताल, मैसूर के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. केएस सदानंद ने लोगों से घबराने की अपील नहीं की। उन्होंने कहा, मीडिया में खबरें देखने के बाद, लोग घबराहट में अस्पताल की ओर भाग रहे हैं। जयदेव अस्पताल में एक बार जांच कराने से समस्या का समाधान नहीं होगा।' लोगों को अपने आस-पास उपलब्ध किसी भी अस्पताल में हृदय की जांच करवानी चाहिए। सिर्फ हार्ट की जांच से भविष्य में होने वाली समस्याओं से बचा नहीं जा सकता। जीवनशैली में बदलाव जरूरी है। अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए नियमित एक्सरसाइज भी जरूरी है।

कार्डियोवस्कुलर डिजीज कारण

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, हर साल करीब 6 करोड़ लोगों की मौत होती है। इनमें से लगभग 32% मौतों की वजह कार्डियोवस्कुलर डिजीज है। यह बीमारी दुनिया में सबसे अधिक मौतों की वजह बनती है। हर साल लगभग पौने दो करोड़ लोग किसी-न-किसी हार्ट डिजीज के कारण जान गंवा रहे हैं। पहले हार्ट डिजीज के ज्यादातर पेशेंट्स 60 साल से अधिक उम्र के होते थे। अब नई समस्या ये है कि बीते कुछ सालों में 30 साल से कम उम्र के लोग भी इसका शिकार बन रहे हैं। कोविड के बाद से तो जैसे हार्ट अटैक के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं।

एप्स्टीन सेक्स स्कैंडल की फाइल सार्वजनिक करूंगा : मस्क

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर जेफ्री एप्सटीन फाइल्स की सीक्रेट रखने का आरोप लगाया। मस्क ने कहा इन फाइल्स कहा कि इन फाइल्स को पब्लिक करना उनकी 'अमेरिका पार्टी' की प्राथमिकता है। मस्क ने एक्स पर लिखा- अगर ट्रम्प एप्सटीन फाइल्स को जारी नहीं करते, तो लोग उन पर कैसे भरोसा करेंगे? एक यूजर ने पूछा क्या उनकी पार्टी के लिए यह मुद्दा अहम है, मस्क ने '100' इमोजी के साथ जवाब दिया। जेफ्री एप्स्टीन मामला नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण से जुड़ा है, जिसमें कई हाई प्रोफाइल लोगों के नाम सामने आए थे। मस्क ने इससे पहले 5 जून कोसनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जेफरी एपस्टीन की फाइलों में शामिल है। मस्क ने एक्स पर लिखा था- अब बड़ा खुलासा करने का टाइम है। डोनाल्ड ट्रम्प का नाम एपस्टीन फाइलों में हैं। यही वजह है कि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया।

पिछले साल कान को छूकर निकली थी गोली

ट्रम्प पर हमले में लापरवाही के आरोप में सीक्रेट सर्विस के छह एजेंट सस्पेंड

वॉशिंगटन डीसी ● एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पिछले साल हुए जानलेवा हमले के दौरान सुरक्षा में चूक के आरोप में सीक्रेट सर्विस के 6 एजेंट्स को सस्पेंड कर दिया गया है। यह जानकारी अधिकारियों के हवाले से दी है। यह कार्रवाई ट्रम्प के हमले का एक साल पूरा होने से 4 दिन पहले हुई है। पेनसिल्वेनिया के बटलर में 13 जुलाई 2024 ट्रम्प पर गोली चलाई गई थी। यह गोली ट्रम्प के कान को लगती हुई निकल गई थी और वह घायल हो गए थे। इस हमले में ट्रम्प की रैली में शामिल एक फायरफाइटर कोरी कॉम्पेराटोर की मौत हो गई थी। जवाबी कार्रवाई में मौके पर मौजूद सीक्रेट सर्विस के स्नाइपर्स ने हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रूक्स (20 वर्ष) को गोली मार दी थी। सस्पेंड किए गए एजेंट्स को अपील का अधिकार दिया गया है। एक अधिकारी के मुताबिक इन्हें 10 से 42 दिन तक के लिए सस्पेंड किया गया। इनमें सीनियर अधिकारी से लेकर निचले स्तर के फील्ड एजेंट शामिल हैं।

आरोप

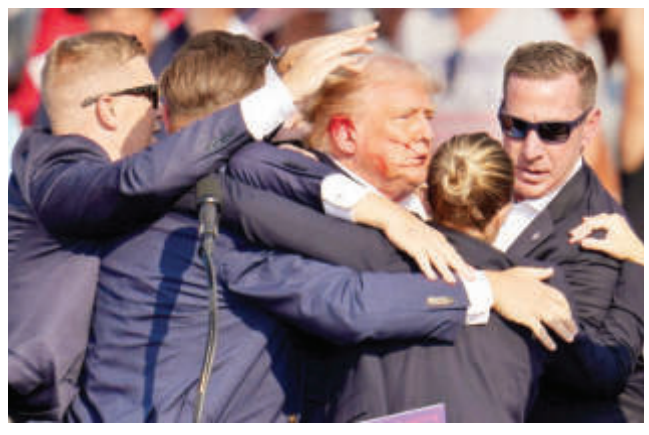

लापरवाही और खामियों के चलते हमला मुमकिन हुआ

हमले के बाद अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की जांच रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि सुरक्षा एजेंसियों की कई स्तरों पर लापरवाही और खामियों के चलते ट्रम्प पर हमला मुमकिन हो पाया। रिपोर्ट में कहा गया, सीक्रेट सर्विस अब उस स्तर पर काम नहीं कर रही है जो उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए जरुरी है। यह संस्था अब एक जड़ और लापरवाह सिस्टम में बदल चुकी है, जबकि खतरे लगातार बढ़ रहे हैं और तकनीक भी आगे बढ़ चुकी है। हमले के दस दिन बाद उस वक्त की सीक्रेट सर्विस डायरेक्टर किम्बर्ली चीटल ने इस्तीफा दे दिया था।

ट्रम्प पर 64 दिन बाद दोबारा हमले की कोशिश हुई - बटलर की घटना के ठीक 9 हफ्ते बाद ट्रम्प पर एक और जानलेवा हमला हुआ था, जब वह फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में अपने गोल्फ कोर्स पर थे। इन दोनों घटनाओं के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा मुहैया कराई गई और उनकी रैलियों की योजना नई सुरक्षा गाइडलाइंस के तहत बनाई जाने लगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)